Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 207 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, मंगलवार 11 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

SHORT NEWS

कभी भी खोला जा सकता है मिनीमाता बांगो जलाशय का गेट, अलर्ट जारी

सक्ती। मिनीमाता बांगो जलाशय में बारिश के साथ ही जलभराव में वृद्धि हुई है। बांगो जलाशय के कार्यपालन अभियंता श्री एस.के.भारती से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत दिवस तक की स्थिति में बांगो जलाशय में जलभराव 89.55 प्रतिशत है। जलाशय में पानी की आवक बढ़ने पर कभी भी मिनीमाता जलाशय का गेट खोलकर पानी बहाया जा सकता है। वर्षाकाल 2026 के दौरान आवश्यकता होने पर मिनी माता बांगो बांध माचाडोली से हसदेव नदी में पानी प्रवाहित किया जायेगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता हसदेव बांगो बांध संभाग क्रमांक 03 माचाडोली श्री एस.के.भारती ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों को सूचित किया है कि मिनीमाता बांगो जलाशय में बारिश के साथ ही जलभराव में वृद्धि हुई है।

मेडिकल कॉलेज के हार्ट-चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग का एक और कीर्तिमान

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट-चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने फेफड़ों की जटिल सर्जरी के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए मात्र 20 दिनों में 9 तथा इस संख्या को मिलाकर पिछले दो महीनों में कुल 13 लोबेक्टॉमी (फेफड़े के संक्रमित हिस्से को निकालने की सर्जरी) सफलतापूर्वक कर मरीजों को नया जीवन दिया है। इनमें दो आपातकालीन सर्जरी ऐसे मरीजों की की गई, जिन्हें खांसी के साथ अत्यधिक रक्तस्राव (हेमोप्टाइसिस) हो रहा था।

छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति परंपरा व आस्था से जुड़ा है हरेली तिहार

विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान, खेती-किसानी को मिला नया संबल

रायपुर। प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा।

परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है।

हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधि युक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं।

80वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर सीएम विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के मुख्य कार्यक्रम में करेंगे ध्वजारोहण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आगामी 15 अगस्त, को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में राजधानी रायपुर के पुलिस मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। वहीं मुख्यालय जिला बिलासपुर में केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, दुर्ग में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव तथा बस्तर में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सरगुजा में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, महासमुंद में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, दंतेवाड़ा में वन मंत्री केदार कश्यप, कबीरधाम में उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहपण करेंगे। इसी प्रकार रायगढ़ में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, कांकेर में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, जशपुर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, बालोद में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, बलौदाबाजार में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में सांसद संतोष पांडेय ध्वजारोहण करेंगे।

इसी प्रकार कोंडागांव में सांसद भोजराज नाग, बलरामपुर में सांसद चिंतामणि महाराज, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सांसद राधेश्याम राठिया, गरियाबंद में सांसद रूपकुमारी चौधरी, सक्ती में सांसद कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद महेश कश्यप, सुकमा में राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ध्वजारोहण करेंगे।

जिला कोरबा में विधायक अमर अग्रवाल, धमतरी में विधायक अजय चंद्राकर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में विधायक श्री धरमजीत सिंह, मुंगेली जिला मुख्यालय में विधायक पुन्नूलाल मोहले, कोरिया में विधायक भैय्या लाल राजवाड़े और नारायणपुर जिला मुख्यालय में विधायक लता उसेंडी स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। इस अवसर पर समस्त मुख्य अतिथि जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

जब दिल्ली के मंच पर जीवंत हुई छत्तीसगढ़ की पंडवानी परंपरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पंडवानी को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंच इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपनी पूरी जीवंतता के साथ प्रस्तुत हुई। महान पंडवानी कलाकार और पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय तीजन बाई की स्मृति को समर्पित विशेष प्रस्तुति के साथ आईएचसी लोक संगीत सम्मेलन 2026 का शुभारंभ हुआ। पंडवानी की इस प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा को दिल्ली के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक बार फिर प्रमुखता से सामने रखा।

इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टाइन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में पंडवानी कलाकार प्रभा यादव ने पारंपरिक संगीतकारों के साथ प्रस्तुति दी। महाभारत की कथाओं पर आधारित पंडवानी में कथा, गायन, संवाद, लय और अभिनय का ऐसा संयोजन देखने को मिला, जिसने छत्तीसगढ़ की इस विशिष्ट लोक शैली की ताकत और व्यापकता को सामने रखा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश की कला और संस्कृति से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व भी उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्ण दास, धरसींवा विधायक एवं प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार अनुज शर्मा, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव तथा सांस्कृतिक कार्यकर्ता ने कार्यक्रम में भाग लिया। इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. (डॉ.) के.जी. सुरेश और अन्वेषा कला केंद्र की सचिव अन्वेषा ब्रह्मा भी इस अवसर पर मौजूद रहीं।

इस प्रस्तुति का केंद्र तीजन बाई की कला यात्रा और पंडवानी को मिली राष्ट्रीय पहचान रही। छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा से निकली पंडवानी को देश और दुनिया के बड़े मंचों तक पहुंचाने में तीजन बाई का योगदान असाधारण रहा। उन्होंने अपनी विशिष्ट शैली से पंडवानी को नई पहचान दी और इसे भारतीय लोक प्रदर्शन कलाओं की प्रमुख विधाओं में स्थापित किया।

शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास को मिल रही गतिः वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर। प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने शनिवार को रायगढ़ जिले के पुसौर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर 1 करोड़ 92 लाख 7 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इन कार्यों में आंगनबाड़ी भवन, मंगल भवन, सामुदायिक भवन, सांस्कृतिक मंच, शासकीय विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, खेल मैदान में अहाता और शेड निर्माण जैसे जनोपयोगी कार्य शामिल हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि गांवों का विकास सरकार की प्राथमिकता है। विकास का वास्तविक लाभ तभी है, जब उसकी सुविधा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। पुसौर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया है, वे सीधे ग्रामीणों की आवश्यकताओं से जुड़े हैं। आंगनबाड़ी भवनों से बच्चों को बेहतर वातावरण मिलेगा, विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों से विद्यार्थियों के लिए अध्ययन-अध्यापन की सुविधाएं बढ़ेंगी।

छत्तीसगढ़ में बाढ़ से निपटने की तैयारी तेज : 18 अगस्त को टेबल-टॉप और 20 को होगी मॉक ड्रिल

रायपुर। राज्य में संभावित बाढ़ आपदा से निपटने और पूर्व तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एक उच्चस्तरीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन की वास्तविक क्षमताओं और अंतर-विभागीय समन्वय को परखने के लिए 18 अगस्त को राज्य स्तरीय टेबल-टॉप एक्सरसाइज और 20 अगस्त को व्यापक मॉक एक्सरसाइज (मॉक ड्रिल) का आयोजन किया जाएगा।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे टेबल-टॉप एक्सरसाइज की सभी प्रक्रियाओं और एसओपी को गहराई से समझें। उन्होंने कहा कि वास्तविक आपदा के समय शून्य देरी से राहत और बचाव कार्य संचालित करने के लिए यह पूर्वाभ्यास बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। कॉन्फ्रेंस के दौरान बाढ़ के समय विभिन्न विभागों की सक्रिय भूमिका और समन्वय पर विस्तृत समीक्षा की गई। आपदा के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लोक निर्माण, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा पशुपालन विभाग द्वारा की जाने वाली त्वरित कार्यवाहियों का खाका तैयार किया गया।

25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने आज दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में जिला बैडमिंटन एसोसिएशन राजनांदगांव के तत्वावधान में आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026-27 का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 9 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक आयोजित की जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव में प्रदेश स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश स्तर से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, कराटे और कुश्ती सहित विभिन्न खेलों में यहां के खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को खेल नगरी के रूप में और अधिक विकसित करने के लिए खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। खिलाड़ियों की आवश्यकता के अनुरूप मैदान, कोर्ट, प्रशिक्षण सुविधाएं और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर राशि का प्रावधान किया गया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, कोचिंग और प्रशिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण के साथ-साथ खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढने के लिए बेहतर अवसर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव के बच्चे भी खेलों के प्रति उत्साह के साथ मैदानों में पहुंच रहे हैं। सुबह बड़ी संख्या में बच्चे हॉकी, फुटबॉल और क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों का अभ्यास करते दिखाई देते हैं। यह राजनांदगांव की खेल संस्कृति और यहां की प्रतिभाओं की मजबूत नींव को दर्शाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजनांदगांव से आने वाले खिलाड़ी प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत किसानों को स्टोरेज बिन वितरित

रायपुरग। आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत ग्राम बेल्टुकरी के अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों एवं किसान महिलाओं को 100 स्टोरेज बिन वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य कृषि उपज के सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण को बढ़ावा देना तथा भंडारण के दौरान होने वाले फसल उपरांत नुकसान को कम करना है।

राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उपज का उचित भंडारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भंडारण पद्धतियों को अपनाने से कृषि उपज को नमी, कीट प्रकोप तथा भंडारण के दौरान होने वाले अन्य नुकसान से सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे उपज की गुणवत्ता एवं मात्रा को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिलती है।

डॉ. राय ने कहा कि कृषि उपज का वैज्ञानिक एवं उचित भंडारण न केवल फसल उपरांत होने वाले नुकसान को कम करता है, बल्कि किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त करने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि

संस्थान द्वारा किसानों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप वैज्ञानिक तकनीकों एवं उपयोगी कृषि ज्ञान को गांव स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक एवं एससीएसपी समन्वयक, ने किसानों से संवाद करते हुए धान की फसल में रोपाई के बाद अपनाई जाने वाली प्रमुख सस्य क्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समय पर खरपतवार प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग, उचित जल प्रबंधन तथा फसल की नियमित निगरानी पर विशेष जोर दिया।

डॉ. शर्मा ने किसानों को धान की फसल में आगामी समय में संभावित प्रमुख कीटों की पहचान एवं उनके प्रभावी प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने किसानों से फसल की नियमित निगरानी करने तथा कीटों के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में ही वैज्ञानिक सलाह के आधार पर उचित प्रबंधन उपाय अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा एससीएसपी के माध्यम से किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए वैज्ञानिक जानकारी, कृषि उपकरण एवं यंत्र, प्रशिक्षण तथा आधुनिक कृषि तकनीकों से संबंधित उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों की तकनीकी क्षमता को बढ़ाना, कृषि कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना तथा कृषि आय में वृद्धि के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करना है।

स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ का लगातार 180 वॉ पौधारोपण

बालोद । हरा भरा,स्वच्छ धरा के उद्देश्य को लेकर स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ की टीम संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल के मार्गदर्शन पर लगातार 180 वें जागरूकता सप्ताह के अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों क्रमशः महादेव घाट रायपुर,भिलाई सेक्टर 06 सड़क 81के शिव हनुमान मंदिर, दशहरा मैदान रिसाली भिलाई,कपिश्वर मंदिर भिलाई, शिव दुर्गा मंदिर भिलाई, शिव पार्वती धाम बालोद, दुर्गा मंदिर सुरेगांव के आसपास साफ सफाई कर फूल के पौधों का पौधारोपण किया गया एवं पूर्व में ट्री गार्ड में लगाए गए पौधे की निंदाई गुड़ाई कर देखभाल की। महादेव घाट रायपुर में स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ के सक्रिय सदस्य शंकर गोटे के नेतृत्व में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर स्वयं द्वारा बीजों से तैयार की गई दुर्लभ पौधे जोकि अधिकतर आदिवासी इलाके में पाई जाती है जैसे खम्हार,चार, तेंदू, महुआ के पौधे का पौधारोपण किया गया। शंकर गोटे द्वारा बीजों से तैयार हुए पौधे की देखभाल इनके परिवार द्वारा स्वयं किया जाता है। यहां रोपे गए पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी भी इन्होंने ली। पौधारोपण के साथ साथ शंकर गोटे की टीम द्वारा महादेव घाट पर शिव मंदिर एवं महादेव घाट पर साफ सफाई करते हुए लोगों को स्वच्छता एवं पौधारोपण के लिए जागरूक करते रहते हैं।

सांभर शिकार मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

रायपुर। वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर वन मंत्री केदार कश्यप के सख्त निर्देशों के बाद वन विभाग ने वन्यजीव तस्करों और शिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में मोहला वनमंडल के दक्षिण मानपुर क्षेत्र में सांभर का शिकार करने वाले तीन आरोपियों को रंगे हाथ पकड़कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। वनमण्डलाधिकारी दिनेश कुमार पटेल ने बताया कि विगत 6 अगस्त की शाम को वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम पंचायत बागडोगरी के रेंगाटोला गांव (तहसील औंधी) में कुछ लोग सांभर का मांस पका रहे हैं। सूचना मिलते ही दक्षिण मानपुर के परिक्षेत्र अधिकारी और मानपुर के उपवनमंडलाधिकारी ने सर्च वारंट लेकर तुरंत मौके पर छापेमारी की।छापेमारी के दौरान पका हुआ मांस बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि खेत में फंसे सांभर के बच्चे की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या की गई थी।

पक्के घर का सपना देख रहे थे और अब स्वीकृति पत्र मिलने से उनका सपना साकार होने की दिशा में आगे बढ़ रहा

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा के हितग्राहियों को सौंपे पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के स्वीकृति पत्र

रायपुर । उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के नगर पालिका परिषद कवर्धा अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत शहर के 25 हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए स्वीकृति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद परिवार को सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन की बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला रही है। शासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि कोई भी पात्र परिवारों को आवास योजना का लाभ मिले।

श्री शर्मा ने कहा कि हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना एक पक्का घर हो,

जहां उसका परिवार सुरक्षित और सम्मान के साथ रह सके। सरकार इस सपने को साकार करने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के माध्यम से कवर्धा शहर के पात्र परिवारों को भी आवास सुविधा का लाभ दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत स्वीकृति पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राहियों में मीना बाई देवागंन, धर्मेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी, द्रोपती देवागंन, मीना बाई, योगेश चन्द्रवंशी, बुधेलाल निषाद, साहिदा खातून, प्रमोद साहू, द्वारिका चन्द्रवंशी, लक्ष्मी चन्द्रवंशी, परमानंद साहू, कमलेश चन्द्रवंशी, मुकेश चन्द्रवंशी, राजबाई सत्यवंशी, सकुन निषाद, अमिता केशरवानी, विमलेश कुम्भकार, पुनीता बाई भारती, सीता देवागंन, अजय सिंह ठाकुर, संजय यादव, मन्नू सिंह चौहान, ओमनाथ योगी, स्वेता देवी पाण्डे और भुखन लाल कौशिक शामिल हैं। इस अवसर पर हितग्राहियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से अपने पक्के घर का सपना देख रहे थे और अब स्वीकृति पत्र मिलने से उनका सपना साकार होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, पार्षद अजय ठाकुर, बिहारी धुर्वे, सौखी अहीरवार, सुनील साहू, केशरीचंद सोनी, हरीश कुंभकार, एल्डरमेन राजेंद्र सलूजा, शिवकुमार यादव, रवि राजपूत, गोलू यादव सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जल,जंगल और ज़मीन के संरक्षण में आदिवासियों की बड़ी भूमिका : संजय

छुरिया। छुरिया विकासखंड के ग्राम तेलीनबाँधा,आँकों,पैरीटोला,बम्हनी, आय बाँधा में सर्व आदिवासी समाज द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संजय कुमार सिंहा अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया,प्रशान्त ठाकुर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया,पलनी स्वामी नायडू सभापति जनपद पंचायत छुरिया,नैनसिंह पटेल,धन्नयादव सोहन साहू मौजूद रहे । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंहा ने कहा कि आज हम सभी यहाँ विश्व आदिवासी दिवस के पावन अवसर पर एकत्रित हुए हैं। यह दिन केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि यह हमारी पहचान, संस्कृति, परंपरा, अधिकार और गौरव को याद करने का दिन है। विश्व आदिवासी दिवस हर वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिवस दुनिया के आदिवासी समुदायों के अधिकारों, उनकी संस्कृति और उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। हमारे आदिवासी समाज का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। हमारे पूर्वजों ने जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने की कला पूरी दुनिया को सिखाई है। प्रकृति हमारे लिए केवल संसाधन नहीं है, बल्कि वह हमारी माता है। पेड़-पौधे, नदी-पहाड़, जंगल और धरती हमारे जीवन और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं। हमारे समाज ने देश की आजादी के संघर्ष में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

42 वर्षीय महिला का विशाल एवं बहु-फाइब्रॉइड गर्भाशय का सफल उपचार

रायपुर। चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय, कचांदुर, दुर्ग के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में 42 वर्षीय महिला का विशाल एवं गर्भाशय फाइब्रॉइड से संबंधित जटिल मामले का सफलतापूर्वक उपचार किया गया।

महिला पिछले लगभग 5-6 वर्षों से बार-बार गर्भपात, अत्यधिक मासिक धर्म रक्तस्राव तथा पेट में बढ़ती हुई गांठ से परेशान थी। लंबे समय से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसे गंभीर एनीमिया (खून की कमी) हो गया था तथा इसके लिए उसे कई बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ी थी। चिकित्सकीय परीक्षण एवं **MRI** जांच में गर्भाशय का आकार लगभग 22-24 सप्ताह की गर्भावस्था के बराबर पाया गया, जो मध्य पेट तक फैला हुआ था। गर्भाशय में विभिन्न स्थानों पर अनेक बड़े फाइब्रॉइड पाए गए, जिनमें इंट्राम्यूरल, सबसीरोसल एवं सबम्यूकोसल फाइब्रॉइड शामिल थे। इनकी स्थिति **FIGO** टाइप 0-7 के अनुरूप थी।

विस्तृत जांच, गंभीर एनीमिया का उपचार एवं आवश्यक प्री-ऑपरेटिव तैयारी के बाद मरीज एवं परिजनों को उचित परामर्श दिया गया। इसके पश्चात टोटल एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी की गई।

लगभग 15-16 फाइब्रॉइड निकाले गए

ऑपरेशन के दौरान विभिन्न आकार के लगभग 15-16 फाइब्रॉइड गर्भाशय से निकाले गए। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति अच्छी रही और उसका पोस्ट-ऑपरेटिव रिकवरी सुचारू एवं बिना किसी प्रमुख जटिलता के हुई।

मानसून के साथ दस्तक देती बीमारियां और हमारी सतर्कता

रायपुर। बरसात के दिनों में नमी और गंदे पानी के कारण मच्छर और कीटाणु तेजी से फैलते हैं। इससे वायरल फीवर, डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और पेट के संक्रमण जैसी मौसमी बीमारियां बहुत आम हो जाती हैं। बरसात के मौसम में संक्रमण से बचने के लिए स्वच्छ पानी, स्वच्छ भोजन, हाथों की स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए, ताकि हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहे।?बारिश की बूंदें जहां भीषण गर्मी से राहत दिलाती हैं, वहीं अपने साथ जलजनित और मच्छरजनित बीमारियों की चुनौती भी लेकर आती हैं। इस मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी सेहत पर भारी पड़ सकती है। इसी गंभीरता को समझते हुए धमतरी जिले में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर संक्रामक बीमारियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चला

रहे हैं। उद्देश्य स्पष्ट है—निगरानी, शुद्धिकरण और जनजागरूकता के बल पर बीमारियों के चक्र को तोड़ना।

बरसात के दिनों में पीने के पानी का दूषित होना एक आम समस्या है, जो उल्टी-दस्त, आंत्रशोथ और पीलिया जैसी बीमारियों का कारण बनती है। इस खतरे से निपटने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों के शुद्धिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हैंडपंपों और कुओं के नियमित क्लोरीनीकरण के साथ-साथ घर-घर क्लोरीन टेबलेट का वितरण किया जा रहा है, ताकि हर परिवार तक स्वच्छ जल की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा, खान-पान में सावधानी बरतते हुए बासी, सड़े-गले फल और सब्जियों से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। दस्त जैसी स्थिति में शरीर में पानी और आवश्यक लवणों की कमी न हो, इसके लिए लो-ऑस्मोलर ओआरएस का प्रयोग सबसे कारगर उपाय है।

पानी की स्वच्छता के साथ ही मच्छरों से बचाव इस मौसम की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलने वाला मलेरिया हो या फिर एडीज मच्छर से होने वाला डेंगू, दोनों के शुरुआती लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द और शरीर में दर्द के रूप में सामने आते हैं। इन बीमारियों से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है मच्छरों के पनपने के चक्र को रोकना। यही वजह है कि जिला प्रशासन ने नागरिकों से 'हर रविवार, मच्छर पर वार' की भावना के साथ जुड़ने का आह्वान किया है।

तिरंगे के साथ शहीद परिवारों के सम्मान में पहुंचा भाजयुमो तुमड़ीबोड़ मंडल

राजनांदगांव । आज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर भाजयुमो जिला राजनांदगांव के मार्गदर्शन से हर हर तिरंगा घर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा तुमड़ीबोड़ मंडल द्वारा नक्सल हमले मे शहीद वीर जवानो के त्याग समर्पण को स्मरण,नमन करने उनके सम्मान के प्रति जी के शहीद परिवार परिजनों से आत्मीय भेंट कर श्रीफल एवं तिरंगा ध्वज भेंट किया गया। मारगांव मे शहीद रामकुमार पटेल ,आलीखूंटा मे शहीद जगत कंवर, खपरीकला मे शहीद धनेश्वर यादव जी के परिवारजनो के सम्मान कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से जिला भाजयुमो कोषाध्यक्ष यश पारख,मंडल भाजपा अध्यक्ष जागेश्वर यादव, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष तिमेश साहू, महामंत्रीद्वय सुदीप चंद्रवंशी, शत्रुहन वर्मा, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिन्हा, लिकेश गंधर्व,मंडल मंत्री चेतन पाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष जितेंद्र सिन्हा,मंडल उपाध्यक्ष रामनाथ वर्मा, पूर्व जनपद सदस्य लखन सूर्यवंशी,बूथ अध्यक्ष हेनू राम साहू, पंचराम जी सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

फिर खुला मेटापारा कोरसागुड़ा का स्कूल,बच्चों को मिला शिक्षा का नया अवसर

रायपुर। बीजापुर जिले में बंद पड़े स्कूलों को फिर से शुरू कर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और वन एवं बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार लगातार अभियान सफल हो रहा है। इसी कड़ी में उसूर विकासखंड के प्राथमिक शाला मेटापारा, कोरसागुड़ा का 21 वर्षों बाद पुन: संचालन शुरू किया गया।

विद्यालय में प्रवेश लेने वाले 25 बच्चों का आत्मीय स्वागत

कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप की पहल से स्कूल खुलने के साथ ही गांव में खुशियों का माहौल बन गया। विद्यालय में प्रवेश लेने वाले 25 बच्चों का फूलमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

बच्चों को स्लेट, पुस्तकें और पेंसिल भी वितरित की गईं, जिससे उनके शैक्षणिक जीवन की नई शुरुआत हुई।

गांव में लौटी पढ़ाई की रौनक

लंबे समय बाद स्कूल खुलने से ग्रामीणों और अभिभावकों में उत्साह देखा गया। अब बच्चों को अपने गांव में ही पढ़ाई का अवसर मिल रहा है, जिससे उनकी शिक्षा पहले की तुलना में अधिक सुगम हो गई है।

जिला पंचायत सदस्य श्री शंकरैया माड़वी ने बच्चों का स्वागत करते हुए उन्हें नियमित रूप से स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है और स्कूलों के पुन: संचालन से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों का भविष्य संवर रहा है।

38 बंद स्कूल फिर से शुरू, शिक्षादूतों की मदद से पढ़ाई शुरू

जिला शिक्षा अधिकारी बीजापुर श्री राजेश पांडे ने बताया कि राज्य शासन और जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से वर्तमान शिक्षा सत्र में बीजापुर जिले के 38 बंद स्कूलों का पुन: संचालन किया जा चुका है। स्थानीय संसाधनों और शिक्षादूतों की मदद से पढ़ाई शुरू कराई गई है, जिससे वर्षों से शिक्षा से दूर रहे बच्चों को फिर से विद्यालयों से जोड़ा जा रहा है।

दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों तक शिक्षा की रोशनी

मेटापारा कोरसागुड़ा स्कूल का पुन: संचालन केवल एक विद्यालय खुलने की घटना नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व, प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन और जिला प्रशासन की सक्रिय पहल से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंच रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से मिला पक्का मकान

सुकमा । प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने जिले के ग्रामीण अंचलों में जरूरतमंद परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव की नई इबारत लिखी है। ग्राम पंचायत बोकड़ाओडर, जनपद पंचायत छिंदगढ़ निवासी श्रीमती सोमारी बघेल पति श्री लाखमा का वर्षों पुराना पक्का घर का सपना अब साकार हो चुका है। कभी कच्चे और जर्जर मकान में बारिश के दौरान छत से टपकते पानी, कमजोर होती दीवारों तथा सांप-बिच्छुओं के खतरे के बीच परिवार को असुरक्षा में जीवन बिताना पड़ता था। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सक्रिय पहल और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से उनका नाम पात्रता सूची में शामिल हुआ तथा आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद आवास स्वीकृत किया गया। उन्हें तीन चरणों में कुल 1.20 लाख रूपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिससे उन्होंने अपना पक्का और सुरक्षित घर तैयार किया। सोमारी बघेल का परिवार वर्षों तक कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर था। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने, दीवारों की कमजोरी और जहरीले जीवों के खतरे के बीच जीवन बेहद कठिन था।

विश्व आदिवासी दिवस पर गरियाबंद में आदिवासी एकता का शक्ति प्रदर्शन

गरियाबंद। विश्व आदिवासी दिवस पर रविवार को गरियाबंद में आदिवासी समाज ने जल-जंगल-जमीन, संवैधानिक अधिकार और राजनीतिक भागीदारी के मुद्दे पर एकजुटता दिखाई। कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, दिल्ली विधायक मुकेश सहरावत, छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल, दिल्ली विधायक बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक राम ध्रुव, जिला पंचायत सदस्य लोकेश्वरी नेताम सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में मंच से पेसा कानून, ग्रामसभा की भूमिका, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार,

आरक्षण, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और जल-जंगल-जमीन पर स्थानीय समुदाय के अधिकारों के मुद्दे उठाए गए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए आदिवासी विरासत और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। इसके पहले गरियाबंद आगमन अतिथियों का बाइक रैली, आतिशबाजी और जोरदार नारों के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया। रैली में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के युवा, महिलाएं और ग्रामीण शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे लोगों ने आदिवासी एकता और संस्कृति का संदेश दिया।

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश में करीब साढ़े 10 करोड़ आदिवासी हैं और आजादी के बाद से समाज जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहा है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक 53 लोगों को भारत रत्न मिल चुका है, लेकिन आदिवासी समाज के किसी योद्धा को यह सम्मान नहीं मिला। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को भारत रत्न देने की मांग की।

उन्होंने न्यायपालिका में आदिवासी प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट बनने के बाद आदिवासी समाज से न्यायाधीशों का प्रतिनिधित्व बेहद कम रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने का सबसे बड़ा हथियार है। संजय सिंह ने सरकारी स्कूलों की स्थिति, पेपर लीक, रोजगार और देश के प्राकृतिक संसाधनों के निजीकरण को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

संजय सिंह ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में जमीन से जुड़े फैसलों में ग्रामसभा की भूमिका और सहमति को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में किसे वोट देना है, यह जनता का फैसला है, लेकिन आदिवासी समाज को अपने वोट की ताकत समझनी होगी।

छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल ने कहा कि संविधान लागू हुए 76 साल हो गए, लेकिन आदिवासी समाज आज भी अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा, 'जल, जंगल और जमीन बचेगी, तभी आदिवासी समाज बचेगा।

शिवरतन शर्मा ने आदिवासी जीवनशैली, कला और परंपराओं को बताया देश की अनमोल धरोहर

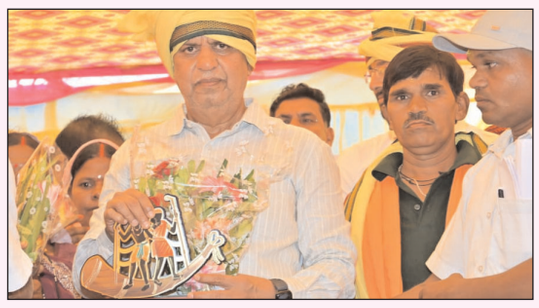

भाटापारा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विधानसभा खैरा चक ग्राम केशला में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम व भवन लोकार्पण का भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा ने विशेष रूप से उपस्थित होकर समाज के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस महत्वपूर्ण दिन पर आदिवासी समाज के समृद्ध इतिहास और योगदान को सराहा। शिवरतन शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि संघर्ष, साहस और स्वाभिमान आदिवासी समाज की सच्ची पहचान हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा आदिवासी हितों के लिए संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं और किए गए सार्थक प्रयासों की सराहना की। शर्मा ने जोर देकर कहा कि ये प्रयास देश एवं प्रदेश में आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से आदिवासी समाज प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

भाटापारा में तेज बारिश से शहर हुआ जलमग्न, कई घरों में घुसा पानी

भाटापारा । बीते शनिवार की शाम 5 बजे के आसपास तेज बारिश शुरू हुई जिससे पूरा शहर और आसपास के क्षेत्र पानी से तर बतर हो गया बारिश के सीजन की यह पहली बारिश थी जो इतनी तेज थी कि लोगो हैरान रह गये वही लोगो के घरो मे भी पानी भर गया वही शहर के कई ऐसे इलाके हे जहां तेज बारिश के चलते जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई सडको मे गलियो मे बारिश का पानी भर गया नगर के लगभग सभी वार्डो मे जल भराव की स्थिति देखी गई वही लगभग एक घंटे से उपर एक ही रफ्तार मे बारिश होने से कई लोगो के घरो मे छत के उपर से पानी घर मे प्रवेश कर गया ज्ञात हो कि बीते चार पांच साल बाद ऐसी बारिश शहर वासियो को देखने को मिला ।वहीं शहर के सेंटमेरीस स्कूल के सामने स्थित वार्ड की गलियो व कालोनी वाले क्षेत्र मे भारी मात्रा मे पानी भर गया वही स्कूल के सामने छोटी सी दुकान लगाने वाली मीना सोनी ने कहा कि तेज व अधिक पानी गिरने से खपरैल वाला मकान पानी भर जाने से टूट गया वहीं दो मकानो मे बिजली का करेंट भी फैल गया था जिसे बिजली वही बिजली विभाग द्वारा डिस्कनेक्ट किया गया।

पंचायत सरपंच प्रतिनिधि व अन्यो सहित जागरूक करने जुटी महिला समूह

राजनांदगांव । निकटस्थ ग्राम पंचायत मनकी में शनिवार 8 अगस्त को सोलर पैनल सूर्य घर योजना के तहत घर-घर जागरूकता फैलाने के लिए ग्रामीणो में जन जागरुकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सोलर पैनल लगाने के लिए सरपंच प्रतिनिधि नीलचंद यादव उपसरपंच नोखे लाल ठाकुर सचिव त्रिदेव निर्मल पंच ज्ञानीक राम साहू मकसूदन व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माहिला समूह के सदस्य गण भी जुटे रहे। इस जन जागरुकता अभियान के तहत ग्रामीणो को समझाया गया कि घरों में सौर ऊर्जा लगाने से बिजली बिल शून्य आता है। सूर्य घर योजना सबके लिए फायदेमंद है। अपने घरों के छत में ज्यादा वाट का सौर पैनल लगा कर ज्यादा बिजली उत्पादन कर इसे बेच भी सकते हैं। अपने आसपास के लोगों को अतिरिक्त बिजली बेच कर पैसा कमाना जा सकता है।

लोगो को यह भी बताया गया है अपने घरों के छतों में सौर पैनल लगाने के लिए सरकार लागत राशि में छूट देती है।

बताया जाता है कि सरकार के इस सौर बिजली ऊर्जा का लोगों में अच्छा प्रभाव पड़ रहा है और दिनों दिन बढ़ती जा रही बिजली बिल की समस्या को देखते हुए लोगों द्वारा अपने घरों में सौर ऊर्जा पैनल लगाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस जन जागरुकता अभियान के दौरान गांव के सम्मानित शिव लाल यादव सहित गांव अन्य नागरिक भी उपस्थित थे

विश्व आदिवासी दिवस पर पत्थलगांव में उमड़ा जनसैलाब, संस्कृति-परंपरा और अधिकारों की गूंज

पत्थलगांव। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को पत्थलगांव के हाई स्कूल मैदान में सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक इकाई पत्थलगांव के तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नागपुरी कार्यक्रम ने आयोजन को उत्सवमय बना दिया। वहीं समाज के वक्ताओं ने आदिवासी संस्कृति, परंपरा, जल-जंगल-जमीन की रक्षा, शिक्षा, विकास और संवैधानिक अधिकारों को लेकर समाज को जागरूक और संगठित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत पुरखों की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद भव्य रैली निकाली गई। रैली में विभिन्न आदिवासी समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान पत्थलगांव को जिला बनाए जाने की मांग वाली तख्तियां लेकर निकले लोग विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

तीन बहनों ने एक साथ पास की नीट परीक्षा, डिप्टी सीएम शर्मा ने घर पहुंचकर दी बधाई

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के नेउर गाँव की तीन प्रतिभाशाली बहनों किरण, ज्योति और सुमन महोबिया ने इस वर्ष नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को नेउर गाँव पहुंच, तीनों छात्राओं से उनके घर पर मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने छात्राओं की माता श्रीमती भगवती महोबिया और पिता राम महोबिया एवं परिजनों से भी मुलाकात की तथा तीनों बेटियों की इस उपलब्धि के लिए पूरे परिवार को बधाई दी और कहा कि एक ही परिवार की तीन बहनों का एक साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफल होना न केवल पूरे परिवार के लिए खुशी का अवसर है, बल्कि क्षेत्र और जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि एक ही घर में रहकर तीन बहनों का एक साथ नीट जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी करना और सफलता हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस सफलता से जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि नियमित मेहनत, सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीनों बहनों की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है, जो अपने गाँव या घर पर रहकर सीमित संसाधनों के बीच बड़े लक्ष्य की तैयारी कर रहे हैं। मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री शर्मा ने तीनों छात्राओं से उनकी स्कूली पढ़ाई, नीट परीक्षा की तैयारी और आगे की काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से कहा कि अब मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेकर पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें और माता-पिता व परिवार के सपनों को अपने कार्यों और उपलब्धियों से पूरा करें। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने छात्राओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर के रूप में शिक्षा पूरी करने के बाद अच्छे संस्थानों और अस्पतालों में कार्य कर अनुभव प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के साथ अपने क्षेत्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी बनाए रखें। अपनी शिक्षा और अनुभव का उपयोग जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए करने का प्रयास करें, ताकि आपकी सफलता का लाभ समाज और स्थानीय लोगों तक भी पहुंच सके।

तीनों बहनों ने घर पर रहकर ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से नीट परीक्षा की तैयारी की। पढ़ाई के दौरान तीनों एक-दूसरे का सहयोग करती रहीं और अपने लक्ष्य को लेकर लगातार प्रयासरत रहीं। उनकी यह उपलब्धि विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि दो बहनों ज्योति और सुमन ने अपने पहले ही प्रयास में नीट परीक्षा उत्तीर्ण की है, दोनों ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बोड़ला से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है।

राम मिलेंगे आश्रम तेंदुआ धाम में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजा अनुष्ठान

जांजगीर-चांपा । -तेंदुआ सावन माह के पावन अवसर पर धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी तेंदुआ धाम स्थित राम मिलेंगे आश्रम में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजा-अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन 10 अगस्त को किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को लेकर राम मिलेंगे आश्रम सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं।सावन माह भगवान भोलेनाथ की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इसी धार्मिक भावना को ध्यान में रखते हुए राम मिलेंगे आश्रम तेंदुआ धाम में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं विधि-विधान से पूजा-अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति में भगवान शिव की आराधना की जाएगी। इसके लिए आश्रम प्रबंधन द्वारा आवश्यक तैयारियां लगातार की जा रही हैं।

राजनांदगांव की बेटी ग्यानेश्वरी यादव का भव्य सम्मान, 51,000 की पुरस्कार राशि से नवाजा गया

राजनांदगांव । शहर की प्रतिभाशाली वेटलिफ्टर ग्यानेश्वरी यादव को उनकी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर जय भवानी व्यायामशाला द्वारा भव्य सम्मान दिया गया। व्यायामशाला के अध्यक्ष श्री अमित अजमानी एवं श्रीमती रुचिका अजमानी ने उन्हें ?51,000 की सम्मान राशि प्रदान की। इस अवसर पर जिम के सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और फूलों की वर्षा कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। साथ ही जिम के सभी जूनियर एवं सीनियर वेटलिफ्टर्स भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अपनी प्रेरणा ग्यानेश्वरी यादव का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

गौरतलब है कि ग्यानेश्वरी यादव पिछले 10 वर्षों से इसी जिम में नियमित अभ्यास कर रही हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का ही परिणाम है कि उन्होंने ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में आयोजित कॉमनवेल्थ प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर देश और जिले का नाम रोशन किया।

सम्मान समारोह के दौरान ग्यानेश्वरी यादव ने युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अभ्यास, अनुशासित जीवनशैली और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण ही आपको विश्व स्तर तक पहुंचाता है। उन्होंने आगे कहा कि जय भवानी व्यायामशाला उनके लिए मंदिर के समान है। ग्यानेश्वरी यादव ने अपने जीवन में योगदान देने वाले सभी लोगों का भावुक होकर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्री पुरुषोत्तम अजमानी उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा रहे हैं।

आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का दिया गया संदेश जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव रहीं मुख्य अतिथि

छुरिया । विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर समस्त आदिवासी ध्रुवगोंड समाज बम्हनी चारभांटा द्वारा लोकार्पण व भव्य ग्रामीण स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया गया। पूरे समाज के पदाधिकारियों द्वारा गाजे-बाजे व परापरिक रिवाजों से मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियो का स्वागत किया गया।कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने के साथ सामाजिक एकता एवं भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष मती किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। वहीं जिला पंचायत सभापति मती बिरम मंडावी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर जनपद

पंचायत छुरिया सदस्य उभय राम मंडावी, जनपद पंचायत छुरिया सदस्य मती भानबाई मंडावी, मती मीना धुर्वे संरपंच, मती मालती उईके पूर्व जनपद सदस्य, तोरणदास वैष्णव पूर्व संरपंच, यादोदास वैष्णव पूर्व संरपंच, धनुष लाल मंडावी, गौतम कुंजाम, गरुड़ सिंह कुंजाम, पीला सिंह कुंजाम, चंदन मंडावी, संतराम कुंजाम, अनिल कुंजाम सहित जनप्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों, पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में समाजजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। संस्कृति और परंपरा हमारी पहचान किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि मती किरण रविन्द्र वैष्णव ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं, लोककला और जीवन मूल्य हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं। इन्हें सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज की एकजुटता एवं विकास के लिए मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला पंचायत सभापति मती बिरम मंडावी ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और विरासत हमारी अमूल्य धरोहर है,इसे सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। साथ ही कार्यक्रम को जनपद पंचायत छुरिया सदस्य व अन्य अतिथियो ने भी संबोधित करते हुए कहा कि,आदिवासी समाज ने सदैव प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं का सम्मान किया है।

राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में जटिल गर्भाशय ट्यूमर की सफल सर्जरी

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 26 सप्ताह के शिशु के आकार के ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉयड का सफल ऑपरेशन कर महिला को दिया नया जीवन

राजनांदगांव। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने एक जटिल एवं चुनौतीपूर्ण शल्य चिकित्सा को सफलतापूर्वक संपन्न कर जिले में उपलब्ध विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की उत्कृष्टता का परिचय दिया है। विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने एक महिला के गर्भाशय के बाहर विकसित हुए विशाल ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉयड (ट्यूमर) का सफल ऑपरेशन कर उसे स्वस्थ जीवन की नई उम्मीद दी।

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मीना आरमो ने बताया कि यह ट्यूमर ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉयड था, जो कैंसर नहीं होता है। यह सामान्य फाइब्रॉयड की तरह गर्भाशय के भीतर न होकर गर्भाशय के बाहर बांई ओर स्थित था। इसका आकार लगभग 26 सप्ताह के शिशु के समान था। ट्यूमर के आसपास मूत्रवाहिनी (यूरेटर) तथा प्रमुख रक्त वाहिकाएं होने के कारण इसकी सर्जरी अत्यंत जटिल एवं चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। उन्होंने बताया कि महिला की यूएसजी एवं सीटी स्कैन रिपोर्ट में गर्भाशय कैंसर की संभावना व्यक्त की गई थी, जिसके आधार पर स्टेजिंग लैप्रोटॉमी की योजना बनाई गई थी। लेकिन ऑपरेशन के दौरान पेट में चीरा लगाने के बाद स्पष्ट हुआ यह कैंसर नहीं, बल्कि ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉयड है। इसके बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अत्यंत सावधानी एवं दक्षता के साथ ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया। ऑपरेशन के उपरांत गर्भाशय, ट्यूब, अंडाशय एवं ट्यूमर के नमूनों को आवश्यक जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। वर्तमान में मरीज की स्थिति पूरी तरह स्थिर है तथा वह तेजी से स्वस्थ हो रही है।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में नियमित रूप से जटिल स्त्री रोग संबंधी शल्य चिकित्साएं आधुनिक तकनीकों एवं मानक उपचार पद्धतियों के अनुरूप की जा रही हैं। इससे जिले एवं आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं को उच्चस्तरीय विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध हो रहा है। यह सफल ऑपरेशन प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मीना आरमो, सहायक प्राध्यापक डॉ. अंबालिया ठाकुर एवं उनकी टीम द्वारा एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गा कोसम, सह प्राध्यापक डॉ. स्मृति एवं उनकी टीम, स्टाफ प्रभारी इंदुमती तथा स्टाफ नर्स माहेश्वरी के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में चमकना है तो अपने काम में 'स्टाइल' लाइए

इन दिनों मैं देखता हूं कि कॉलेज से पास-आउट युवा सूट और टाई के आकर्षण में आकर हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आने की कोशिश करते हैं। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें समझ आता है कि यहां ऐसा कोई काम नहीं है, जिसे वे किसी दूसरे से करने के लिए कह सकें, लेकिन खुद न करना चाहें। अचानक-से वे खुद को टेबल से पानी और वाइन के गिलास उठाते और उसे साफ करते हुए पाते हैं। उस समय उनकी आंखें टेबल के बजाय इधर-उधर देखती ज्यादा नजर आती हैं।

ऐसा इसलिए, क्योंकि वे नहीं चाहते कि कोई परिचित या परिजन उन्हें यह काम करते हुए देखे। इसमें हैरानी नहीं कि युवाओं में हॉस्पिटैलिटी को कामचलाऊ पेशा माना जाता है, लेकिन यह उनको कई ऐसी महत्वपूर्ण स्किल्स देता है, जो दूसरी इंडस्ट्री शायद ही देती है।

आप पूछ सकते हैं कि आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाए बिना हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में कैसे टिके रहें। मेरा सीधा-सा जवाब है- 'स्टाइल कोशंट' जोड़िए। जापानी मिल्क-बन का उदाहरण लीजिए, जो मीठे, मुलायम और फोटोजेनिक होते हैं। ये जापान ही नहीं, पूरे यूरोप और अमेरिका में भी बेहद सफल हैं। ये बन ऊपर से सुनहरे भूरे और अंदर से बादल की तरह मुलायम होते हैं।

ऊपरी तौर पर देखें तो ये मुंबई में किसी चौपाटी के स्टॉल पर पावभाजी के साथ परोसे जाने वाले पाव जैसे दिखेंगे। लेकिन किसी शेफ की फोटोजेनिक नजरों से वही बन उसके बर्गर को कल्ट-बर्गर बना सकते हैं और उसकी कीमत 300% बढ़ा सकते हैं।

मुझे हाई-एंड केक बनाने के आर्ट के बारे में तब पता चला, जब एक मशहूर बेकर ने अभिनेत्री काजोल के लिए बनाए जाने वाले केक पर लिखा जाने वाला हनी ईरानी का मैसेज गलती से मेरे दोस्त को भेज दिया। काजोल ने 5 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाया और हनी ईरानी भारतीय सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस और पुरस्कार विजेता स्क्रीनराइटर हैं।

उन्होंने यश चोपड़ा की मशहूर फिल्म 'लम्हे' (1991) के लिए अपनी डेब्यू स्क्रिप्ट लिखी थी और बेस्ट स्टोरी का फिल्मफेयर जीता था। मैंने अपने दोस्त से वही केक मुझे भेजने के लिए कहा और यकीन मानिए वह हर तरीके से बिल्कुल अलग था। जो रेस्तरां खाने को लग्जरी अनुभव में बदल पाते हैं, वे दुनिया में सबसे ज्यादा कमाते हैं। अमेरिका का उदाहरण लें।

वहां अगर आप किसी हाई-एंड रेस्तरां में टेबल बुक करने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको शाम 5 बजे का, या फिर रात 10:30 बजे का ही स्लॉट मिलेगा। 1.5 ट्रिलियन डॉलर की यह इंडस्ट्री पूरे हफ्ते ओवर-क्राउडेड रहती है। और यहां मैं सिर्फ उन लोगों की बात कर रहा हूं, जो बाहर जाकर खाने पर खूब खर्च करते हैं। इन लोगों की इस परेशानी ने नए ऐप्स, मेंबरशिप क्लब्स और बिचौलियों को जन्म दिया है, जो खाने पर अत्यधिक खर्च करने वालों और उनके पसंदीदा रेस्तरां तक पहुंच बनाने के लिए मुकाबला कर रहे हैं।

हॉस्पिटैलिटी में स्टाइल महज यह नहीं कि आप क्या पहनते हैं या खाने को कैसे सजाते हैं। यह आपकी भाषा, बॉडी लैंग्वेज और व्यवहार में भी समान रूप से नजर आता है। कोई युवा प्रोफेशनल अगर कैजुअल 'ओके' कहने के बजाय कहता है कि 'बिल्कुल सर, मैं इसका ध्यान रखूंगा,' तो वह अलग इम्प्रेशन छोड़ता है। टेबल के पास खड़े होने, ट्रे उठाने, कुर्सी खींचने, बिना बीच में टोके बात सुनने, बिना घूरे नजरें मिलाने और गेस्ट की ओर पीठ किए बगैर वहां से हटने के आपके तौर-तरीके साधारण सर्विस को भी शानदार बना सकते हैं।

आप गिलास भी उठा रहे हैं तो उम्मीद की जाती है कि यह आप उसी गरिमा से करेंगे, जैसे आप फाइव-स्टार भोजन परोसते हैं। सिर्फ सॉफ्टली बोलना ही नहीं, बल्कि काम में अपोलोजेटिक दिखे बिना आत्मसम्मान के साथ चलना भी हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल की पहचान है। गेस्ट को लगना चाहिए कि आप महज खाना नहीं परोस रहे, बल्कि एक अनुभव दे रहे हैं। यही असली स्टाइल कोशंट है।

फंडा यह है कि हॉस्पिटैलिटी कोई लो-स्टेटस जॉब नहीं, जिसे आप 'बेहतर' नौकरी मिलने तक कामचलाऊ तौर पर करें। यह ऐसी इंडस्ट्री है, जहां साधारण-से काम को भी असाधारण बारीकी से किया जाए तो वह मूल्यवान बन जाता है।

गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत उत्सव है 'कांवड़ यात्रा'

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

हर श्रावण में, उत्तर भारत के राजमार्गों पर 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारे गूंजते हैं और लाखों कांवड़िए भगवान शिव के लिए गंगा का पवित्र जल लाने के लिए पवित्र तीर्थयात्रा पर निकलते हैं। कांवड़ यात्रा को अक्सर केवल हिंदू भक्ति के नजरिए से ही देखा जाता है। लेकिन भगवा झंडों और आध्यात्मिक उत्साह से परे एक और कहानी छिपी है, भारत की मिश्रित संस्कृति की कहानी, जहां आस्था भाईचारे के साथ विद्यमान है और मानवता धार्मिक पहचानों से ऊपर है। इस वर्ष, सोशल मीडिया एक मुस्लिम कांवड़िए की यात्रा को सामने लाया, जिसकी अटूट भक्ति ने लोगों को आश्चर्यचकित किया, लेकिन उससे भी कहीं अधिक लोगों को प्रेरित किया। उनके लिए, कांवड़ उठाना आस्था का उल्लंघन नहीं था, बल्कि श्रद्धा, सह-अस्तित्व और सदियों से भारत को आकार देने वाली साझा सांस्कृतिक परंपराओं की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति थी। यह यात्रा याद दिलाती है कि आस्था अत्यंत व्यक्तिगत होती है, जबकि करुणा और आपसी सम्मान सार्वभौमिक होते हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और हरियाणा में हर साल ऐसी ही कहानियां सामने आती हैं।

मुस्लिम परिवार कांवडियों को पानी पिलाने के लिए सबील लगाते हैं। स्थानीय युवा जलपान वितरित करते हैं, प्राथमिक उपचार प्रदान करते हैं और पंचर हुए वाहनों की मरम्मत में सहायता करते हैं। बदले में तीर्थयात्री इन कार्यों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करते हैं। ऐसे कार्य शायद ही कभी सुर्खियों में आते हैं, फिर भी वे चुपचाप उन बंधनों को मजबूत करते हैं जो समुदायों को एक साथ बांधते हैं। यही गंगा-जमुनी तहजीब की भावना है। गंगा और यमुना के उपजाऊ मैदानों में जन्मी एक सभ्यतागत नैतिकता, जहां विविधता को सामूहिक शक्ति का स्रोत माना गया है। यह न केवल भाषा, संगीत और भोजन में बल्कि रोजमर्रा के दयालु कार्यों में भी परिलक्षित होती है जो व्यक्तिगत विश्वासों को कम किए बिना धर्म की सीमाओं को धुंधला कर देते हैं। कांवड़ यात्रा दर्शाती है कि किसी अन्य समुदाय के आस्था के क्षणों में भाग लेना पड़ोसी की परंपराओं के प्रति सम्मान और सामाजिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चाहे वह किसी मुस्लिम द्वारा कांवड़िए को पानी पिलाना हो या किसी हिंदू द्वारा मित्रों के साथ ईद के उत्सव में शामिल होना हो। ये कार्य प्रत्येक धर्म की विशिष्टता को संरक्षित करते हुए भाईचारे के संवैधानिक मूल्यों को दर्शाते हैं। भारत का इतिहास ऐसे उदाहरणों से समृद्ध है। सूफी दरगाहों ने धर्म की परवाह किए बिना श्रद्धालुओं का स्वागत किया है। हिंदू कारीगरों ने मुहर्रम के जुलूसों के लिए ताजिया बनाए हैं, वहीं मुस्लिम कारीगर पीढ़ियों से मूर्तियां गढ़ते और मंदिरों को सजाते आ रहे हैं।

बच्चों की सुरक्षा व सोशल मीडिया की जवाबदेही

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को लेकर जिस तत्परता से कदम उठाया है, वह स्वागत योग्य है। चिंता की बड़ी बात यह है कि पिछले मात्र एक सप्ताह में बच्चों के साथ बलात्कार का वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड करने के पचास से ज्यादा मामले आयोग के संज्ञान में आए हैं। इतनी बड़ी संख्या में ऐसे मामलों का सामने आना यह दर्शाता है कि यह आइटी कंपनियों की व्यवस्थागत विफलता है, जिस पर तत्काल और गंभीर हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एनएचआरसी ने आठ राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को नोटिस जारी कर एफआइआर दर्ज करने और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही, इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा को भी नोटिस भेजा गया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी पूरे प्रकरण से अवगत कराया गया है। यह बहुस्तरीय कार्रवाई इस बात का संकेत है कि आयोग इस मुद्दे को केवल राज्यों की कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आइटी प्लेटफॉर्म की जवाबदेही मानकर आगे बढ़ रहा है।

भारत के आइटी नियमों के तहत मध्यस्थ प्लेटफॉर्मों को बाध्य किया गया है कि वे अवैध और आपत्तिजनक सामग्री की सूचना मिलते ही उसे हटाएं। बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री तो सबसे गंभीर श्रेणी में आती है, जिसे किसी भी स्थिति में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अव्वल तो इसे प्लेटफॉर्म पर आने से पहले ही रोका जाना चाहिए। आयोग ने मेटा को ठीक ही याद दिलाया है कि उसे अपनी जिम्मेदारी समझते हुए ऐसी सामग्री को तत्काल प्रभाव से हटाना होगा। सवाल यह भी उठता है कि इतनी बड़ी संख्या में ऐसी सामग्री प्लेटफॉर्म की स्वचालित निगरानी प्रणालियों से कैसे बचती रही। क्या व्यावसायिक कारणों से इसे जानबूझकर फैलने दिया गया? यह आइटी कंपनियों की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, पुलिस की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जो शिकायतों पर अपेक्षित गंभीरता और तेजी से कार्रवाई नहीं कर पा रही है।

एनएचआरसी की पहल केवल नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। परिणाम तभी दिखेगा जब राज्यों की पुलिस दोषियों को सजा दिलाए। मेटा जैसी कंपनियां अपने मंच पर आपत्तिजनक सामग्री की पहचान और हटाने की प्रक्रिया को और मजबूत करे और केंद्र सरकार आवश्यकता पडने पर कानूनी ढांचे को और सख्त बनाए। बच्चों की सुरक्षा की दिशा में उठाया गया हर कदम महत्वपूर्ण है। इस घटनाक्रम से कुछ ऐसे सवाल भी उठ रहे हैं जिनके जवाब जरूरी हैं। क्या भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बाल सुरक्षा से जुड़े कंटेंट निगरानी के मौजूदा नियम पर्याप्त हैं? क्या आइटी कंपनियों पर लगाम के और कड़े प्रावधान अब जरूरी हो गए हैं? यह समस्या डिजिटल युग में बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी बड़ी और स्थायी चुनौती की ओर इशारा करते हैं।

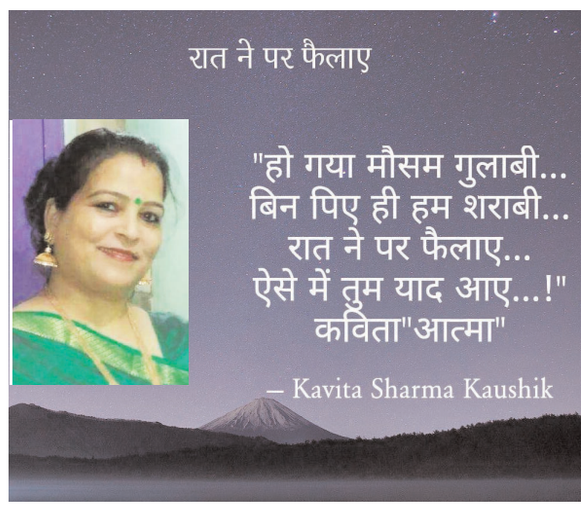

निवेश में सावधानी, लेकिनकर्ज लेने को मजबूर परिवार

भारतीय परिवारों की वित्तीय स्थिति इन दिनों एक गहरे विरोधाभास से गुजर रही है। शेयर और म्यूचुअल फंड जैसे साधनों में निवेश घटा है, जबकि नकदी, बैंक जमा, छोटी बचत और भविष्य निधि की ओर झुकाव बढ़ा है। लेकिन इसी अवधि में कर्ज लेने की रफ्तार बचत से कहीं अधिक तेज रही। नतीजा यह है कि परिवार जोखिम तो कम कर रहे हैं, पर उनकी वित्तीय सुरक्षा मजबूत नहीं हो रही। रिजर्व बैंक से संबद्ध उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वित्तीय निवेश 12.9 फीसदी बढ़कर 42.89 लाख करोड़ रुपए हुआ, लेकिन देनदारियां 36.3 फीसदी बढ़कर 21.45 लाख करोड़ रुपए पहुंच गईं, कर्ज में 36.3 फीसदी की वृद्धि ने सकल वित्तीय निवेश की बढ़त को लगभग सोख लिया। जिससे वित्तीय सुरक्षा पर दबाव बढ़ा है। कोरोना महामारी के बाद घरेलू निवेशकों ने तेजी से पूंजी बाजार का रुख किया था। म्यूचुअल फंड और शेयरों में परिवारों का निवेश 2021-22 के 2.28 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 6.84 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। लेकिन 2025-26 में यह घटकर 5.68 लाख करोड़ रुपए रह गया। एक वर्ष में करीब 17 फीसदी की गिरावट जोखिम लेने की इच्छा में आई नरमी को रेखांकित करती है।

फिर भी इसे बाजार से पूर्ण मोहभंग या निवेशकों के पलायन के रूप में देखना उचित नहीं होगा। पहला कारण यह है कि 2024-25 का आधार असाधारण रूप से ऊंचा था। दूसरा, 5.68 लाख करोड़ रुपए का बाजार-आधारित निवेश 2021-22 के 2.28 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले अब भी ढाई गुने के आसपास है। सबसे उल्लेखनीय बदलाव नकदी में आया है।

परिवारों के पास रखी नकदी 2024-25 के 2.09 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 4.15 लाख करोड़ रुपए हो गई। बैंक जमा 12.55 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 15.32 लाख करोड़ रुपए, छोटी बचत 2.33 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 3.45 लाख करोड़ रुपए और पेंशन तथा भविष्य निधि में निवेश 7.88 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 8.69 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसके उलट जीवन बीमा में निवेश 6.30 लाख करोड़ रुपए से घटकर 5.62 लाख करोड़ रुपए रह गया।

नकदी और बैंक जमा की ओर वापसी के कई संभावित कारण बाजार में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, भविष्य की आय को लेकर आशंका और आपात जरूरतों के लिए अधिक तरलता रखने की इच्छा हो सकते हैं। लेकिन नकदी बढ़ना हमेशा मजबूत वित्तीय स्थिति का प्रमाण नहीं होता। यह सावधानी का संकेत हो सकता है, तो खर्च और आय को लेकर असुरक्षा का भी। वित्त वर्ष 2025-26 में परिवारों की नई वित्तीय देनदारियां 21.45 लाख करोड़ रुपए के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। यह राशि संबंधित वर्ष के दौरान जुड़ी वित्तीय देनदारियों का प्रवाह है। बैंकों और एनबीएफसी से उधारी में सबसे अधिक वृद्धि हुई। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि कर्ज किस उद्देश्य से लिया गया, लेकिन इसकी तेज रफ्तार घरेलू वित्तीय दबाव बढ़ने का संकेत देती है। सकल वित्तीय निवेश में से नई वित्तीय देनदारियां घटाने पर परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत का अनुमान मिलता है। 2024-25 में यह अंतर करीब 22.25 लाख करोड़ रुपए था, जो 2025-26 में घटकर लगभग 21.44 लाख करोड़ रुपए रह गया। इस तरह लगातार दो वर्षों की बढ़त के बाद शुद्ध वित्तीय बचत में करीब 3.6 फीसदी की कमी आई।

इसका अर्थ यह नहीं है कि परिवारों ने बचत करना छोड़ दिया, बल्कि यह है कि उनकी उधारी, बचत से तेज गति से बढ़ी। यह रुझान मध्यमवर्गीय और निम्न-मध्यमवर्गीय परिवारों की वित्तीय कठिनाई को भी सामने लाता है। कुल वित्तीय निवेश बढ़ा है, लेकिन उसकी संरचना बदली है, अपने-आप में यह बदलाव न तो अच्छा है, न बुरा, इसका मूल्यांकन परिवार की आय, उम्र, लक्ष्य, आपात निधि और जोखिम उठाने की क्षमता के संदर्भ में होना चाहिए। असली चिंता यह है कि कर्ज की वृद्धि वित्तीय निवेश की बढ़त से कहीं तेज रही और शुद्ध वित्तीय बचत घट गई। यदि महंगा कर्ज रोजमर्रा की जरूरतों का स्थायी सहारा बनता गया, तो सुरक्षित निवेश साधनों की ओर बढ़ा झुकाव भी परिवारों को वास्तविक सुरक्षा नहीं दे पाएगा। इसलिए समाधान बाजार में अधिक जोखिम लेने या पूरी तरह सुरक्षित साधनों में सिमट जाने में नहीं, बल्कि आय, बचत, बीमा, निवेश और कर्ज के बीच संतुलन में है।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

महाराज श्रीदशरथ रामराज्य की स्थापना करना चाहते थे, किंतु उनका यह पवित्र संकल्प पूरा नहीं हुआ। इसका तात्पर्य यह है कि रामराज्य तो जीव की सबसे बड़ी आकांक्षा है। रामराज्य का वर्णन करते हुए कहा गया है कि रामराज्य में सारे सुख विद्यमान थे, और दुख के जो चारों भेद हैं उनका रामराज्य में प्रवेश नहीं था –

राम राज नभगेस सुनु सचाचरर जग माहिं।
काल कर्म सुभाउ गुन कृत दुख काहुहि नाहिं।।

और भई ! ऐसा कौन सा व्यक्ति अथवा समाज होगा जो इस चरम स्थिति को प्राप्त करना न चाहता हो। किंतु इसकी उपलब्धि में आने वाले विघ्न जब तक व्यक्ति अथवा समाज के जीवन में हैं एवं उनका समाधान जब तक पूर्ण नहीं किया जाता, तब तक इच्छा होते हुए भी रामराज्य नहीं हो सकता। वह बाधक तत्व क्या हैं इसको समझना आवश्यक है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

जब बच्चों को हमारी जरूरत नहीं रह जाती, तब हमारा दूसरा उद्देश्य क्या होता है?

वे दिन याद कीजिए जब बच्चा बस यह कह देता था कि मुझे यह चाहिए, और आप किसी तरह थोड़ी-बहुत बचत करके, अपने पति से कुछ छिपाकर उसकी वह इच्छा पूरी करने का रास्ता निकाल लेती थीं। वे दिन याद कीजिए जब बच्चे का शरीर कढ़ाही की तरह तप रहा होता था तो आप पूरी-पूरी रात जागकर उसके माथे पर ठंडी पट्टी बदलती रहती थीं।

और वह दिन भी याद कीजिए जब आपका बच्चा अमेरिका चला गया और उसने आपसे कहा कि न्यूयॉर्क में अपार्टमेंट बुक करने के लिए उसके पास डाउन पेमेंट के पर्याप्त पैसे नहीं हैं, तब आपने किसी तरह पति को अपनी रिटायरमेंट सेविंग्स निकालने के लिए यह कहकर मना लिया था, आखिर हमारे बाद सब कुछ उसी के लिए तो है।

और फिर, एक दिन कुछ बदल जाता है। अब याद कीजिए कि कैसे आप बार-बार उस मोबाइल फोन को देखती रहती हैं, जो कभी बच्चे की हर छोटी-बड़ी समस्या के लिए बजता रहता था लेकिन अब खामोश पड़ा है। यह खामोशी इसलिए नहीं है कि आपका बच्चा अब आपसे प्यार नहीं करता। लेकिन अब वह बड़ा हो गया है।

वह एक वयस्क है, जिसके पास नौकरी है, दूर देश में बैठकों की लंबी शृंखला है; उसका अपना घर है, जीवनसाथी है और उसके अपने बच्चे हैं। चूंकि कई माएं अपने बच्चों की जिंदगी में आए इन पड़ावों को स्वीकार करना भूल जाती हैं, इसलिए उन्हें खामोश पड़ा फोन एक ऐसी जगह की तरह दिखाई देने लगता है, जहां से एक अदृश्य खालीपन शुरू होता है।

जो मां दशकों तक पूछती रही थी कि खाना खाया? या क्या-क्या खाया?, वह अब किसी के द्वारा उससे यही सवाल पूछने का इंतजार करती है। जो पिता कभी अपने बच्चे की छोटी-सी समस्या हल करने के लिए गाड़ी उठाकर पूरे शहर में दौड़ते रहते थे, वे अब यह कहने से पहले भी हिचकिचाते हैं कि मेरी पीठ में दर्द हो रहा है।

मेरे परिचितों में ऐसे कई पैरेंट्स हैं, जो अकसर मिलते-जुलते और साथ में पार्टी करते हैं, लेकिन जब उनमें से कोई एक कहता है कि मेरे बेटे ने मुझे फोन किया और 45 मिनट तक बात की तो वे अचानक भीड़ में अकेले पड़ जाते हैं। किसी की मां या पिता होने के कई दशकों बाद वे चुपचाप खुद से पूछते हैं कि अगर आज किसी को मेरी जरूरत नहीं है, तो मैं कौन हूं?

वे अतीत की यादों में चले जाते हैं, जब पैरेंट्स के रूप में उन्होंने अपनी जिंदगी का लगभग आधा हिस्सा एक ऐसे स्पष्ट उद्देश्य के साथ बिता दिया था, जिसे खोजने की उन्हें कभी जरूरत ही नहीं पड़ी थी। यह सफर आधी रात को सुनाई देने वाली एक नन्ही-सी किलकारी से शुरू हुआ था और स्कूल की यूनिफॉर्म, लंच-बॉक्स, होमवर्क, बुखार, परीक्षाओं, कॉलेज में दाखिले, पहली नौकरी, हार्टब्रेक्स, शादी और बच्चों की सैकड़ों छोटी-छोटी जरूरतों से गुजरता हुआ आगे बढ़ा था- ऐसी जरूरतें, जिन्हें शायद बच्चे खुद भी याद न रखते हों। लेकिन माता-पिता उनमें से हर एक को याद रखते हैं।

उन्हें अपने बच्चे की पसंद की हर डिश याद रहती है। वे जानते हैं कि उन पर कौन-सी दवा असर करती है। वे यह भी समझते हैं कि बच्चा कब ठीक होने का दिखावा कर रहा है। वे मैं ठीक हूं और मैं सचमुच ठीक हूं के बीच का फर्क जानते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वे वर्षों तक बच्चों की जरूरतों पर प्रतिक्रिया देते रहे हैं- चाहे वे कितनी ही छोटी हों या कितनी ही महंगी।

ये तमाम बातें मुझे तब याद आईं, जब मैंने इस सप्ताह राशि खन्ना (2013 की फिल्म मद्रास कैफे की अभिनेत्री) के बारे में पढ़ा। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि वे सही भूमिकाएं चुनने की कोशिश करती हैं, क्योंकि आज दर्शक चाहते हैं कि कहानी में हर किरदार का एक उद्देश्य हो। और वे कितनी सही थीं। आज की अकेली मांएं अचानक उस उद्देश्य को खो देती हैं, जिसके इर्द-गिर्द उनकी पूरी वयस्क जिंदगी निर्मित हुई थी।

और सबसे दु:खद पहलू यह है कि बच्चे आज भी अपनी मांओं की मदद करना चाहते हैं, लेकिन मांओं को ही नहीं पता कि मदद मांगें कैसे? शायद वो इसी तरह से गढ़ी गई हैं। पैरेंट्स से उम्मीद की जानी चाहिए कि वो अपनी अलग पहचान बनाएं। कुछ ऐसा सीखें, जिसे वे 30 सालों से टालते आ रहे थे। बच्चों का इंतजार किए बिना किसी जगह पर घूमने जाएं।

फंडा यह है कि हर पैरेंट के पास अपने जीवन का कोई दूसरा प्रयोजन भी होना चाहिए और अगर वह बच्चे के दूर जाने से पहले ही शुरू हो जाए तो इससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता। हमारे बच्चे हमेशा ही हमारे जीवन का उद्देश्य नहीं बने रहेंगे। उन्हें अपना जीवन भी जीना है और अपने स्वयं के उद्देश्यों को भी पूरा करना है।

40 एकड़ में तैयार किया इंटीग्रेटेड खेती का शानदार मॉडलः100% जैविक खेती की

रायपुर। अमूमन राजपरिवार से ताल्लुक रखने वाले युवाओं का रुझान बड़े व्यवसाय या राजनीति की ओर होता है, लेकिन सरगुजा राजपरिवार के सदस्य विंधेश्वर शरण सिंहदेव ने एक अलग राह चुनी है।

बीकॉम की उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद विंधेश्वर ने अपने पिता स्व. यूएस सिंहदेव की कृषि विरासत को आगे बढ़ाने का फैसला किया। आज वे अंबिकापुर के पास सरगवां में 40 एकड़ जमीन पर जैविक खेती का एक विकसित मॉडल तैयार कर चुके हैं, जो पूरे इलाके के लिए मिसाल बन गया है।

वे न केवल खुद सफल खेती कर रहे हैं, बल्कि सरगुजा के अन्य किसानों को भी ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित कर रहे हैं, ताकि आम लोगों तक सेहतमंद आहार पहुंच सके। विंधेश्वर अपने खेतों में पूरी तरह 100 प्रतिशत जैविक तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उनके खेत में सुगंधित धान के अलावा सभी प्रकार की हरी सब्जियां, अंजीर, और कई तरह के फलों का बंपर उत्पादन हो रहा है। रासायनिक खादों से पूरी तरह दूरी बनाने का सुखद परिणाम यह हुआ है कि फसलों का उत्पादन बढ़ा है। खेतों की उर्वरा शक्ति में

भी शानदार सुधार देखने को मिला है।

सरगवां के इस फार्म में विशुद्ध ऑर्गेनिक तरीके से तैयार हो रहे स्थानीय सुगंधित चावल की खुशबू अब केवल सरगुजा तक सीमित नहीं है। इसकी शुद्धता और स्वाद के कारण इसकी मांग दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों तक पहुंच गई है।

गुणवत्ता के कारण लोग इनके कृषि उत्पादों को हाथों-हाथ ले रहे हैं। विंधेश्वर ने केवल खेती तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने अपने परिसर में एक बड़ी डेयरी भी स्थापित की है। वर्तमान में अंबिकापुर शहर में सबसे अधिक दूध का उत्पादन इसी फार्म से हो रहा है।

सबसे खास बात यह है कि डेयरी से निकलने वाले गोबर का शत-प्रतिशत सदुपयोग किया जाता है। गोबर से गोबर गैस बनाई जाती है। फसलों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली ऑर्गेनिक खाद भी तैयार की जाती है। इसी खाद का उपयोग 40 एकड़ के खेतों में होता है।

इससे खेती की लागत भी कम हो रही है। राजपरिवार के इस युवा ने अपनी उन्नत खेती और डेयरी के माध्यम से स्थानीय स्तर पर 60 से 70 लोगों को नियमित रोजगार भी उपलब्ध कराया है। विंधेश्वर का यह प्रयास साबित करता है कि अगर युवा लगन के साथ खेती को आधुनिक, वैज्ञानिक, और जैविक तरीके से अपनाएं, तो यह न केवल फायदे का सौदा है, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए भी बड़ा योगदान है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

छत्तीसगढ़ के 22 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली की चेतावनी, यलो अलर्ट जारी

रायपुर। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव (लो प्रेशर) के क्षेत्र का असर अब छत्तीसगढ़ में साफ दिखाई देने लगा है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि बलरामपुर और बीजापुर जिले के कुछ इलाकों में अच्छी वर्षा हुई। बारिश के चलते राजधानी रायपुर समेत कई शहरों में लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है। रायपुर का अधिकतम तापमान करीब 3 डिग्री सेल्सियस गिरकर 33 डिग्री से 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

22 जिलों में यलो अलर्ट जारीः मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों के लिए बारिश और आकाशीय बिजली का यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर शामिल हैं। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर रायपुर में अलर्ट

राजधानी में 43 जगह नाकेबंदी, 3 घंटे तक वाहनों की जांच; संदिग्धों से पूछताछ

रायपुर। रायपुर में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अपराधों की रोकथाम और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सोमवार रात 8:30 बजे से 11:30 बजे तक रायपुर कमिश्नरेट के तीनों जोन के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक नाकेबंदी और सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। शहर में कुल 43 चेकिंग पॉइंट बनाए गए।

अभियान के दौरान प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जांच की गई। पुलिस टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों के साथ ही शहर में आने वाले बाहरी लोगों का भी सत्यापन किया। बिना नंबर वाले वाहनों, संदिग्ध नंबर प्लेट और आपराधिक गतिविधियों से जुड़े लोगों पर विशेष नजर रखी गई। संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की गई।

सेंट्रल जोन के कोतवाली, गोलबाजार, मौदहापारा, गंज, सिविल लाइन, देवेंद्रनगर और तेलीबांधा थाना क्षेत्रों में 14 चेकिंग

पॉइंट बनाए गए। चांदनी चौक, कोतवाली चौक, जयस्तंभ चौक, शारदा चौक, तेलघानी नाका, गोवर्धन चौक, लाल चौक, फूंडहर चौक और अग्रसेन चौक समेत प्रमुख स्थानों पर जांच की गई।

नॉर्थ जोन में खमतराई, पंडरी, खमारडीह, उरला, गुड़ियारी थाना और रामनगर चौकी क्षेत्र में 11 जगह चेकिंग हुई। खमतराई चौक, बंजारी चौक, विज्ञान केंद्र, शंकर नगर चौक, कनहेरा चौक, भारत माता चौक और कबीर चौक पर पुलिस टीमों ने वाहनों को रोक कर जांच की।

वेस्ट जोन में सबसे ज्यादा प्वाइंट लगाए अफसरों ने

वेस्ट जोन में 18 चेकिंग पॉइंट बनाए गए। आजाद चौक, राजेंद्र नगर, पुरानी बस्ती, डीडी नगर, आमानाका, सरस्वती नगर, टिकरापारा, कबीर नगर और मुजगहन थाना क्षेत्रों में जांच की गई। टाटीबंध चौक, मोहबाबाजार, महादेवघाट, भाठागांव, एनआईटी के सामने, बस स्टैंड और धमतरी रोड एक्सप्रेस-वे पर भी विशेष निगरानी रखी गई।

शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने अभियान

पुलिस अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखना और स्वतंत्रता दिवस के दौरान रायपुर में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना है। आने वाले दिनों में भी संवेदनशील इलाकों और प्रमुख स्थानों पर निगरानी बढ़ाई जा सकती है।

अब गुरु घासीदास में उतारने का प्रस्ताव भेजाः शिकार का संकट, इसलिए उदंती में बाघ की शिफ्टिंग टली

रायपुर। मध्यप्रदेश के कान्हा और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से बाघों को एयर लिफ्ट कर छत्तीसगढ़ लाने की योजना में तकनीकी पेंच फंस गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में पर्याप्त शिकार आधार नहीं होने के कारण वहां नए बाघ बसाने की मंजूरी फिलहाल रोक दी है।

एनटीसीए की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक उदंती-सीतानदी में चीतल और सांभर जैसे शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या नए बाघों के लिए पर्याप्त नहीं है। प्राधिकरण का मानना है कि मजबूत प्राकृतिक फूड चेन के बिना बाघों को बसाना जोखिम भरा होगा। इसके बाद वन विभाग ने गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को पहली प्राथमिकता दी है।

यहां सबसे पहले एक बाघिन लाई जाएगी। वन विभाग ने एनटीसीए के सवाल के जवाब में उदंती के जंगलों में घूमते जंगली सुअरों के झुंड के वीडियो भेजे हैं। विभाग का तर्क है कि यहां जंगली सूअर पर्याप्त संख्या में हैं और वे बाघों का प्रमुख शिकार भी हैं। इस संबंध में भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) को भी रिपोर्ट भेजी गई है। बाघों द्वारा जंगली सुअरों का शिकार किए जाने के वीडियो फुटेज भी प्रमाण के तौर पर दिए गए हैं।

गुरु घासीदास में नर बाघ, इसलिए पहले आएगी बाघिन उदंती के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने तक पूरा फोकस गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व पर रहेगा। यहां पहले से नर बाघों की मौजूदगी है, इसलिए कुनबा बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश से एक बाघिन लाने की तैयारी है। तमोर पिंगला के घने जंगल में करीब ढाई एकड़ का विशेष बाड़ा लगभग तैयार है। इस कारण बाघिन को लाने और शुरुआती निगरानी में तकनीकी दिक्कत कम होगी।

मंजूरी मिली तो उदंती में बसाया जाएगा जोड़ा उदंती-सीतानदी में भी बाघों के लिए बाड़े का निर्माण अंतिम चरण में है। एनटीसीए की हरी झंडी मिलने पर यहां नर और मादा बाघ का जोड़ा लाने की योजना है। प्रदेश में अभी 35 से 40 बाघ होने का अनुमान है। पुनर्वास और संरक्षण के जरिए यह संख्या 45 के पार पहुंचाने का लक्ष्य है। हालांकि पिछले छह महीने में पांच बाघों के शिकार ने वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

ऐसे होगी बाघों की 'हवाई एंट्री' कान्हा या बांधवगढ़ में चयनित बाघ को विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में ट्रंकुलाइज किया जाएगा। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे विशेष स्टील ट्रांसपोर्ट क्रेट में रखकर हेलिकॉप्टर से छत्तीसगढ़ लाया जाएगा।

शिक्षा विभाग में प्रमोशन को लेकर बड़ा अपडेट, 15 अगस्त तक प्रक्रिया पूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग में पदोन्नति को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी गई है। विभाग के विभिन्न लिपिकीय, अलिपिकीय, शैक्षणिक और प्रशासनिक संवर्गों में प्रमोशन की कार्रवाई निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित प्रक्रिया 15 अगस्त तक अनिवार्य रूप से पूरी की जानी है।

10 अगस्त को होगी पदोन्नति प्रक्रिया की समीक्षा

पदोन्नति की प्रगति और इससे जुड़े विभिन्न मामलों की समीक्षा के लिए 10 अगस्त को दोपहर 3 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की जाएगी। बैठक में संभाग और जिला स्तर पर चल रही पदोन्नति प्रक्रिया की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। **DPI** ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में पदोन्नति से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियों और पहले मांगे गए विवरण के साथ शामिल हों। बैठक में यह भी देखा जाएगा कि किन संवर्गों में कितने पद रिक्त हैं और निर्धारित समय-सीमा में प्रमोशन की कार्रवाई किस स्तर तक पहुंची है।

आदिवासी दिवस पर D.Ed अभ्यर्थियों की रैलीः1316 पदों पर नियुक्ति की मांग, कैंडिडेट्स बोले- 800 से ज्यादा पद ST वर्ग के फिर भी नियुक्ति नहीं

रायपुर। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर शनिवार को छत्तीसगढ़ के **D.Ed** प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले रैली निकाली। बलबीर सिंह जुनेजा ऑडिटोरियम से शुरू हुई रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए जयस्तंभ चौक पहुंची।

इस दौरान बड़ी संख्या में अभ्यर्थी और समाज के लोग शामिल हुए। रैली के दौरान सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने ष्ठ.श्वस्त्र अभ्यर्थियों की मांग का समर्थन किया।

अभ्यर्थियों और समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि सहायक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में

1316 पद रिक्त हैं, इनमें 800 से ज्यादा पद अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इसके बावजूद इन पदों पर नियुक्ति नहीं दी जा रही है।

बोले- कोर्ट के आदेश के बाद भी नियुक्ति नहीं

आंदोलनकारियों ने कहा कि उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद पात्र अभ्यर्थियों को अब तक नियुक्ति नहीं मिली है। उन्होंने इसे आदिवासी युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि जब प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व में आदिवासी समाज की भागीदारी है, तब भी युवाओं को अपने अधिकार के लिए सड़क पर उतरना पड़ रहा है। सर्व आदिवासी समाज और **D.Ed** अभ्यर्थियों ने शासन-प्रशासन को चेतावनी दी कि जल्द सकारात्मक निर्णय लेकर पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दी गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में 1654 शिक्षक पदों पर भर्ती, 2 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

रायपुर। सरकारी स्कूल में टीचर बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल ने 1654 शिक्षक पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। जो उम्मीदवार इस भर्ती में शामिल होना चाहते हैं वे 2 सितंबर, 2026 की रात 11:59 बजे तक ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपना फॉर्म भर सकते हैं।

1654 पदों पर होगी भर्ती

इस भर्ती अभियान के जरिए कुल 1654 पद भरे जाएंगे। विषय के अनुसार पदों का विवरण इस तरह है:

UP PCS 2026: यूपी पीसीएस 2026 के लिए आवेदन की तारीख 3 अगस्त तक बढ़ी, भर्ती के बारे में जानिए सबकुछ

अंग्रेजी: 504 पद
संस्कृत: 300 पद
हिंदी: 250 पद
गणित: 250 पद
सामाजिक विज्ञान: 250 पद
कृषि: 100 पद

नगरीय प्रशासन विभागः5 संभागों में खुलनी हैं पानी जांचने वाली लैब, एजेंसी नहीं आई, इसलिए टेंडर अटका

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शहरों और कस्बों में सप्लाई होने वाले पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए पांचों संभागीय मुख्यालयों में वाटर टेस्टिंग लैब स्थापित करने की योजना फिलहाल टेंडर के स्तर पर अटक गई है। नगरीय प्रशासन विभाग ने लैब के लिए आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) जारी किया था, लेकिन एक भी एजेंसी ने टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया।

अब विभाग नियम शर्तों में बदलाव कर दोबारा टेंडर जारी करने की प्रक्रिया कर रहा है। इस योजना के तहत रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, दुर्ग और जगदलपुर में लैब स्थापित की जाएंगी। इस पर 9 करोड़ से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। लैब स्थापित होने के बाद आम आदमी भी अपने घर में सप्लाई होने वाले पानी की जांच खुद ही लैब में करवा सकेगा।

छोटे निकायों को जांच के लिए बाहर भेजना पड़ता है सैंपलः प्रदेश के सभी 194 नगरीय निकायों में पानी की गुणवत्ता जांचने की सुविधा नहीं है। पीएचई की जिला स्तरीय लैब में पेयजल योजनाओं के पानी की नियमित जांच होती है, लेकिन आम लोगों के लिए वहां जांच का शुल्क अधिक है और रिपोर्ट मिलने में भी समय लगता है।

रायपुर नगर निगम के फिल्टर प्लांट, बिलासपुर और कुछ बड़े निकायों में अपनी जांच सुविधा है। इसके अलावा अधिकांश नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को सैंपल दूसरी जगह भेजने पड़ते हैं। संभागीय मुख्यालयों में लैब बनने से छोटे निकायों को नजदीक जांच सुविधा मिलेगी। विभाग की पहली आरएफपी में लैब का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के साथ उपकरण लगाने, स्टाफ उपलब्ध कराने और पूरी लैब चलाने की जिम्मेदारी एक ही एजेंसी पर रखी गई थी। इसी वजह से एजेंसियों ने रुचि नहीं दिखाई। अब विभाग मॉडल बदलने की तैयारी कर रहा है।

नए टेंडर में उपकरणों की सप्लाई और स्थापना के लिए अलग एजेंसी तथा लैब के संचालन के लिए दूसरी एजेंसी को जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव है। विभाग को उम्मीद है कि जिम्मेदारियां अलग करने से कंपनियों की रुचि बढ़ेगी और लैब स्थापित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

दूषित जल की रिपोर्ट, तो निकाय को करना होगा सुधारः निकाय जलस्रोत और सप्लाई प्वाइंट से सैंपल लेकर संबंधित संभागीय लैब में भेजेंगे। जांच रिपोर्ट के आधार पर यदि पानी तय मानकों पर खरा नहीं उतरता है तो संबंधित जलस्रोत, फिल्टर प्लांट या पाइपलाइन की जांच कर सुधार की कार्रवाई की जा सकेगी। यानी लैब सिर्फ 'पानी खराब है या नहीं' बताएगी, बल्कि खराब गुणवत्ता मिलने पर सुधार का आधार भी बनेगी।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। शुरुआत में काम का दबाव थोड़ा अधिक रहेगा, लेकिन अपनी कार्यक्षमता और अनुशासन से आप सभी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभा पाएंगे। आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। किसी भी बड़े निवेश में जल्दबाजी न करें और पूरी जानकारी लेने के बाद ही निर्णय लें।

वृषभ। चार राजयोगों के प्रभाव से आज करियर और कारोबार में विशेष लाभ मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रतिभा की सराहना होगी तथा मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को पद या जिम्मेदारी से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापारियों के लिए नए सौदे लाभकारी साबित हो सकते हैं।

मिथुन। आज आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। आय के नए अवसर सामने आ सकते हैं और लंबे समय से अटके हुए कार्यों में गति आएगी। कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता और निर्णय क्षमता की सराहना हो सकती है। व्यापारियों को पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है। हालांकि, वाणी पर संयम रखना आज बेहद जरूरी होगा। आपकी कोई बात परिवार के सदस्य को गलत लग सकती

कर्क। आज कार्यक्षेत्र में आपके नेतृत्व की क्षमता की सराहना हो सकती है। आप जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से संभालेंगे और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से प्रभावित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। आय के नए स्रोत तलाशने में सफलता मिल सकती है। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा। किसी पुराने पारिवारिक विषय पर सकारात्मक चर्चा हो सकती है।

सिंह। आज खर्चों में बढ़ोतरी होने की संभावना है, इसलिए बजट बनाकर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। अनावश्यक खरीदारी और दिखावे पर धन खर्च करने से बचें। कार्यक्षेत्र में विरोधी शांत रहेंगे और आपको अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है। व्यापार में सामान्य स्थिति बनी रहेगी, लेकिन किसी बड़े सौदे में सावधानी बरतें।

कन्या। आज आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है और किसी पुराने प्रयास का लाभ भी मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में मित्रों और सहकर्मियों का सहयोग मिलने से अटके हुए काम पूरे होंगे। व्यापारियों को किसी पुराने संपर्क से लाभकारी अवसर मिल सकता है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। अविवाहित जातकों के लिए भी कोई सकारात्मक प्रस्ताव सामने आ सकता है।

तुला। ज्योतिषीय योगों के प्रभाव से आज बिजनेस और नौकरी में तरक्की के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारियों की नजर में आपकी स्थिति मजबूत हो सकती है। व्यापारियों को नए ग्राहकों और सौदों से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा और आय के नए रास्ते खुल सकते हैं।

वृश्चिक। आज भाग्य का पूरा साथ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को सफलता मिलेगी और लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ सकते हैं। उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ रह सकता है। विदेश में पढ़ाई या नौकरी से जुड़े मामलों में कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु। आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ ऐसी परिस्थितियां सामने आ सकती हैं, जिनमें आपको धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें और यातायात नियमों का पालन करें। पैसों के लेन-देन में भी अत्यधिक सतर्कता जरूरी होगी। किसी अनजान व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करने से बचें। व्यापारियों को किसी सौदे में अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। परिवार में छोटी-मोटी बातों को लेकर तनाव हो सकता है।

मकर। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। साझेदारी के व्यापार में लाभ मिलने की संभावना है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी और मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। व्यापारियों को पुराने संपर्कों से फायदा मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए नई योजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

कुंभ। आज ग्रहों की शुभ स्थिति के कारण अचानक धन लाभ होने की संभावना बन रही है। आर्थिक क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा और आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा तथा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। व्यापारियों को नए सौदों से लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी पुराने निवेश का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और परिजनों का सहयोग मिलेगा।

मीन। आज धैर्य और संयम बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। ग्रहों के प्रभाव से परिस्थितियों में सुधार धीरे-धीरे दिखाई दे सकता है, इसलिए किसी भी देरी से घबराने की आवश्यकता नहीं है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का परिणाम मिलने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन निरंतर प्रयास सफलता दिलाएंगे। व्यापार में भी जल्दबाजी के बजाय योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ें। आर्थिक मामलों में अनावश्यक जोखिम लेने से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। नियमित दिनचर्या, संतुलित खान-पान और पर्याप्त आराम आपके लिए लाभकारी रहेगा।

झारखंड धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ः

दूसरे सोमवारः भक्तों ने शंभू और कामना लिंग का किया जलाभिषेक, 'बोल बम' के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजा

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के प्रसिद्ध झारखंड धाम में सावन की दूसरे सोमवार पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्ममुहूर्त से ही हजारों भक्त मंदिर परिसर पहुंचने लगे। 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने लंबी कतारों में लगकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

झारखंड धाम राज्य के प्रमुख शिवधामों में से एक है। सुभाष पांडा ने बताया कि सावन माह में यहां झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यह गिरिडीह शहर से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित है।

विशेष रूप से, देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम और बासुकीनाथ में जलार्पण के बाद हजारों कांवरिये अपनी यात्रा पूरी करने के लिए झारखंड धाम पहुंचते हैं। वे यहां भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। दूसरी सोमवारी पर भी कांवरियों और स्थानीय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, झारखंड धाम का संबंध महाभारत काल से है। ऐसी मान्यता है कि इसी पवित्र भूमि पर अर्जुन ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें साक्षात दर्शन दिए और पाशुपत अस्त्र प्रदान किया था। यही कारण है कि यह स्थल शिवभक्तों के लिए विशेष आस्था का केंद्र है।

इरगा नदी के तट पर लगभग 14 एकड़ क्षेत्र में फैला यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक विरासत का संगम है। मंदिर परिसर हरियाली और शांत वातावरण से घिरा हुआ है, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है।

झारखंड धाम की सबसे बड़ी विशेषता मंदिर परिसर में स्थापित दो शिवलिंग हैं। इनमें एक शंभू लिंग और दूसरा कामना लिंग के नाम से प्रसिद्ध है। श्रद्धालु दोनों शिवलिंगों का विधिवत जलाभिषेक कर सुख, समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। मान्यता है कि शंभू लिंग भगवान शिव के दिव्य स्वरूप का प्रतीक है, जबकि कामना लिंग पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना फलदायी होती है।

मंदिर का मुख्य शिवलिंग स्वयंभू अर्थात भुइफोड़ शिवलिंग माना जाता है। स्थानीय लोकमान्यताओं के अनुसार यह शिवलिंग धरती को चीरकर स्वयं प्रकट हुआ था। इसके ऊपर कई बार मंदिर की छत बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। यही वजह है कि आज भी यह शिवलिंग खुले आसमान के नीचे विराजमान है, जिसे श्रद्धालु दिव्य चमत्कार के रूप में देखते हैं।

सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर मंदिर परिसर में प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग, पेयजल, चिकित्सा सहायता, साफ-सफाई और पुलिस बल की विशेष व्यवस्था की गई थी। स्वयंसेवकों ने भी श्रद्धालुओं को सुचारु रूप से दर्शन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों और युवाओं के साथ बड़ी संख्या में कांवरिये भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर जलाभिषेक करते रहे। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा, राज्य की खुशहाली और देश की उन्नति की कामना करते हुए भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया।

आस्था, इतिहास, पौराणिक मान्यताओं और अद्भुत धार्मिक परंपराओं से समृद्ध झारखंड धाम आज भी लाखों शिवभक्तों की अटूट श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां उमड़ने वाली भीड़ इस पवित्र धाम की बढ़ती धार्मिक महत्ता और लोगों की अटूट आस्था का जीवंत प्रमाण है।

गिरिडीह में आदिवासी महोत्सव को लेकर निकली रैली

नगर भवन में दिखी संस्कृति-परंपरा की झलक, पारंपरिक वेशभूषा-नृत्य बने आकर्षण का केंद्र

गिरिडीह। गिरिडीह में रविवार को झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 के आयोजन को लेकर आदिवासी छात्र संघ की ओर से भव्य रैली निकाली गई। झंडा मैदान से शुरू हुई यह रैली शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरते हुए नगर भवन पहुंची।

रैली में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां, छात्र-छात्राएं और आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। प्रतिभागियों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर 'शिबू सोरेन अमर रहें', 'भगवान सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव अमर रहें', 'जय-जय आदिवासी' और 'आदिवासी एकता जिंदाबाद' जैसे नारे लिखे थे। पूरे रास्ते समाज के महापुरुषों को याद करते हुए जोशीले नारे लगाए गए।

रैली में पारंपरिक वेशभूषा में शामिल युवक-युवतियां मुख्य आकर्षण रहे। मांदर और नगाड़े की थाप पर लोकनृत्य करते हुए प्रतिभागियों ने माहौल को उत्साह से भर दिया। नगर भवन पहुंचने के बाद सभी लोग महोत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए।

इस दौरान महापौर प्रमीला मेहरा, जिला अध्यक्ष संजय सिंह, उप महापौर सुमित कुमार, उपायुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे।

महोत्सव में आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन किया गया। पारंपरिक और पौराणिक लोकनृत्य, नाट्य मंचन और जनजातीय खान-पान के जरिए समाज की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत किया गया।

नगर भवन परिसर में स्थानीय कला, हस्तकला और हैंडलूम की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जहां विभिन्न स्टॉलों पर पारंपरिक कारीगरी को प्रदर्शित किया गया। आयोजन के माध्यम से आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति और पहचान को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

झारखंड में मानसून सक्रिय, 5 दिन तक बारिश के आसारः सर्वाधिक वर्षा पलामू में हुई, आज कई जगहों पर बारिश होने का अनुमान

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 10 से 12 अगस्त के दौरान भी बादल छाए रहने और कई जगहों पर बारिश होने का अनुमान है।

वहीं, पिछले 24 घंटे में झारखंड में सबसे अधिक करीब 44 मिली मीटर बारिश पलामू में हुई। वहीं, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस पलामू में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस कांके में दर्ज की गई।

हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है मौसम के अनुसार, 13 अगस्त तक राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। 13 अगस्त को दो या अधिक बार हल्की मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। दक्षिणी झारखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

उत्तर ओडिशा और आसपास के झारखंड क्षेत्र में बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ गया है। इसके प्रभाव से राज्य में अगले 5 दिनों तक बादल छाए रहने और कई स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान है।

झारखंड विधानसभा मानसून सत्र का तीसरा दिनः सत्र के हंगामेदार होने के आसार, विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरने की बनाई रणनीति

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का सोमवार को तीसरा दिन है। आज सत्र में अनुपूरक बजट पर चर्चा की जाएगी। महज पांच कार्य दिवसों? वाला यह सत्र बेहद छोटा है, लेकिन जेपीएससी के मुद्दे पर इसके काफी हंगामेदार होने के पूरे आसार हैं।

भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि जेपीएससी जेएसएससी मामले में आंदोलनरत छात्रों की मांगों पर हम सरकार को झुकने के लिए विवश करेंगे। सोमवार को विधानसभा के बाहर छात्र घेराव करेंगे जबकि सदन में हम लोग सरकार को घेरेंगे।

16 दिनों से छात्र आंदोलन कर रहे हैं पर सरकार अपने हट पर अड़ी हुई है। सदन में पहले भी भाजपा ने छात्रों के आंदोलन पर सरकार का लगातार ध्यान आकृष्ट कराया है। वहीं, शुक्रवार को सत्र शुरू होने पर विपक्ष ने सदन में वेल में आकर नारेबाजी की। प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने जेपीएससी में हुई धांधली के खिलाफ खूब नारेबाजी की। इसके बाद सदन की कार्रवाही साढ़े 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद सदन की कार्रवाही पुनः शुरू की गई। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने 8399 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश किया। इसके बाद सदन की कार्रवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

शुक्रवार को सत्र शुरू होने के पहले सदन के बाहर भाजपा विधायकों ने जेपीएससी और जेएसएससी में हुई धांधली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का दिया आश्वासनःविधानसभा घेराव को लेकर रांची पुलिस अलर्ट, 500 जैप-आईआरबी व 200 महिला पुलिसकर्मी भी तैनात

रांची। छात्रों के विधानसभा घेराव कार्यक्रम को देखते हुए सोमवार को रांची में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। विधानसभा की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी खुद एसएसपी राकेश रंजन कर रहे हैं। उन्होंने रविवार को पुलिस लाइन में सुरक्षाकर्मियों की ब्रीफिंग कर स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों को किसी तरह की परेशानी न हो।

साथ ही, उपद्रव या गड़बड़ी की कोशिश करने वालों पर विधि सम्मत कार्रवाई करने को कहा। जिला बल के अलावा करीब 500 जैप व आईआरबी जवानों को चिह्नित स्थानों पर तैनात किया गया है। छात्राओं की सुरक्षा और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए 200 महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद रहेंगी। थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

ट्रैफिक रूट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रमुख चौक-चौराहों पर ट्रैफिक जवान अलर्ट रहेंगे। वाहनों का दबाव बढ़ने पर जरूरत के अनुसार रूट डायवर्ट किया जाएगा। सिटी एसपी पारस राणा ने कहा कि छात्रों ने घेराव शांतिपूर्ण रखने का आश्वासन दिया है। पुलिस भी शांतिपूर्ण तरीके से रिस्पांस देगी।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

8		7		4		6		3
3		5	8			1		2
		4		5	6	9		
9	7	8	5		3		2	6
5	3		6	2			8	9
		2	9		7		1	
	8	9	1		2		6	4
4	5	6	7	9		2		1
	2		4	6		8	9	

पिछले अंक का उत्तर

2	1	9	5	4	3	6	7	8
5	4	3	8	7	6	9	1	2
8	7	6	2	1	9	3	4	5
4	3	2	7	6	5	8	9	1
7	6	5	1	9	8	2	3	4
1	9	8	4	3	2	5	6	7
3	2	1	6	5	4	7	8	9
6	5	4	9	8	7	1	2	3
9	8	7	3	2	1	4	5	6

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

यूपीएससी सीएपीएफ परीक्षा में 236वीं रैंकः माता-पिता ठेले पर बेचते हैं चाय, बेटा अंकित बना असिस्टेंट कमांडेंट

रांची। 'होनहार वीरवान के होत चिकने पात' इस कहावत को रातू के 23 वर्षीय अंकित आशीष मिश्रा ने सच कर दिखाया है। सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के बावजूद अंकित ने अपनी मेहनत के दम पर यूपीएससी सीएपीएफ 2025 परीक्षा में ऑल इंडिया 236वीं रैंक हासिल की है। अंकित का चयन असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर हुआ है। दूसरे प्रयास में मिली इस शानदार सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। अंकित के माता-पिता, उषा देवी और प्रेम प्रकाश मिश्रा, ठेले पर चाय बेचकर परिवार चलाते हैं। आर्थिक तंगी के बाद भी उन्होंने अपने इकलौते बेटे की पढ़ाई में कोई कमी नहीं होने दी। अंकित ने सरस्वती शिशु मंदिर रातू से 10वीं, सेंट जेवियर कॉलेज से इंटर और श्यामा प्रसाद विश्वविद्यालय से बीएससी केमिस्ट्री ऑनर्स की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 2024-25 में दिल्ली में रहकर एक वर्ष तक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेता भारतीय खिलाड़ियों से की मुलाकात, कहा- 'जो खेलेगा, वो खिलेगा'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से बातचीत की और उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की एक रील भी साझा की। इस रील में उन्होंने खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाने वाला संदेश देते हुए कहा, **'जो खेलेगा, वो खिलेगा।' करीब 32 सेकेंड की इस रील में प्रधानमंत्री मोदी भारतीय खिलाड़ियों के साथ नजर आए। वीडियो में गोल्ड मेडल जीतने वाली मुक्केबाज साक्षी चौधरीसमेत अन्य पदक विजेता खिलाड़ी भी दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि देश को अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने आगे देशवासियों से भारतीय खिलाड़ियों का हमेशा उत्साहवर्धन करने की अपील करते हुए कहा, 'ऑलवेज चीयर फॉर भारत... भारत माता की जय।'

प्रधानमंत्री की खिलाड़ियों के साथ यह मुलाकात भारतीय खेलों में बढ़ती उपलब्धियों और खिलाड़ियों के प्रति देश में बढ़ते सम्मान को दर्शाती है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन लगातार युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने प्रतियोगिता में कुल 39 पदक अपने नाम किए, जिनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल रहे। इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

भारतीय खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में सफलता हासिल की। खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और वर्षों की तैयारी का परिणाम पदकों के रूप में सामने आया। इन उपलब्धियों ने न केवल खिलाड़ियों और उनके परिवारों को गौरवान्वित किया, बल्कि देशभर के खेल प्रेमियों में भी उत्साह पैदा किया।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह भी देखने को मिला। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। इस तरह के संवाद से खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिलता है और उन्हें अपने खेल में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

खेलों में सफलता केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं होती। खिलाड़ियों की यात्रा में वर्षों का अभ्यास, अनुशासन, त्याग और निरंतर मेहनत शामिल होती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रत्येक खिलाड़ी के लिए यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि होती है। ऐसे में पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान देश के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक संदेश देता है।

प्रधानमंत्री मोदी लंबे समय से युवाओं को खेलों से जोड़ने और फिटनेस को जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर देते रहे हैं। 'जो खेलेगा, वो खिलेगा' का संदेश भी इसी सोच को आगे बढ़ाता है। इसका उद्देश्य युवाओं को पढ़ाई और करियर के साथ खेलों तथा शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

खेलों से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। यही वजह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर से ही बच्चों को खेलों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 39 पदकों के साथ भारत का प्रदर्शन देश के खेल भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। अलग-अलग खेल विधाओं में खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन से भारतीय खेल जगत में नई उम्मीदें पैदा हुई हैं।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 100 अंक गिरा, 78,400 पर कारोबार; निफ्टी भी 30 अंक नीचे, बैंकिंग-एनर्जी शेयरों में बिकवाली

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार, 10 अगस्त को शुरुआती कारोबार में दबाव देखने को मिला। सेंसेक्स करीब 100 अंक की गिरावट के साथ 78,400 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी भी करीब 30 अंक फिसलकर 24,550 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में निवेशकों की सतर्कता के बीच **FMCG**, एनर्जी और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिल रही है।

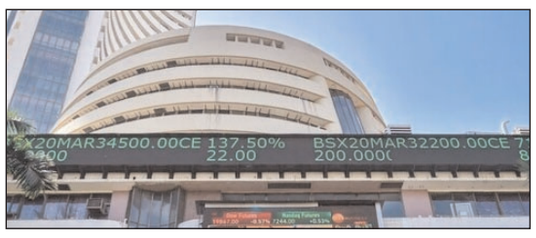

सेक्टरवार कारोबार में बैंकिंग और एनर्जी कंपनियों के शेयरों पर दबाव बना हुआ है। इसके अलावा **FMCG** सेक्टर में भी निवेशकों ने मुनाफावसूली की। बाजार की दिशा पर वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों का असर दिखाई दे रहा है। निवेशक फिलहाल चुनिंदा शेयरों में ही खरीदारी कर रहे हैं। सोमवार से मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन के आईपीओ भी निवेशकों के लिए खुल गए हैं। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स आईपीओ के जरिए करीब 939.70 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है, जबकि धूत ट्रांसमिशन का लक्ष्य 3,066.89 करोड़ रुपये जुटाना है।

दोनों आईपीओ में निवेशक 12 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। नए इश्यू खुलने के साथ ही बाजार में प्राथमिक बाजार गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। निवेशकों की नजर इन दोनों कंपनियों के आईपीओ के सब्सक्रिप्शन और लिस्टिंग पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, मौजूदा उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों को जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय कंपनियों के कारोबार, वित्तीय स्थिति और मूल्यांकन को ध्यान में रखकर निवेश करना चाहिए। आने वाले कारोबारी सत्रों में वैश्विक बाजारों की चाल, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेश की स्थिति बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी।

अगस्त के पहले-हफ्ते में विदेशी-निवेशकों ने 12,921 करोड़ निवेश किए: जुलाई में भारतीय बाजार में 20,200 करोड़ आए थे

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अगस्त के पहले हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार में 12,921 करोड़ का भारी निवेश किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतर होती स्थिति, अमेरिका में ब्याज दरें घटने की उम्मीद, कच्चे तेल के गिरते दाम और स्थिर रुपए के कारण विदेशी निवेशकों की लिवाली जारी है। जुलाई में हुए ?20,200 करोड़ के निवेश के बाद लगातार दूसरे महीने भारतीय बाजार में पॉजिटिव फंड फ्लो देखा जा रहा है।

लगातार 4 महीने की बिकवाली के बाद ट्रेंड बदला

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी **FPIs** की जून में ?49,340 करोड़, मई में ?32,963 करोड़, अप्रैल में ?60,847 करोड़ और मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बिकवाली के बाद जुलाई से बाजार में ट्रेंड बदला है।

CDSL के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च से जून तक लगातार चार महीनों की बिकवाली से पहले **FPIs** ने फरवरी में 22,615 करोड़ का निवेश किया था। इसके बाद जुलाई में 20,200 करोड़ का इनफ्लो दर्ज किया गया, जिससे भारतीय शेयर बाजार में रिकवरी देखने को मिली है।

2026 में अब तक 2.41 लाख करोड़ निकाले

हालिया खरीदारी के बावजूद, विदेशी निवेशक 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी में कुल मिलाकर नेट सेलर बने हुए हैं। इस साल अब तक **FPIs** भारतीय शेयर बाजार से ?2.41 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा पूरे साल 2025 में हुई ?1.66 लाख करोड़ रुपए की कुल बिकवाली से भी ज्यादा हो चुका है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

छत्तीसगढ़ में पहली बार होगी हॉकी लीग: रायपुर के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में सितंबर के दूसरे सप्ताह में आयोजन, ऑक्शन से चुनेंगे 6 टीमों के खिलाड़ी

रायपुर/बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के हॉकी खिलाड़ियों को बड़ा मंच देने के लिए प्रदेश में पहली बार छत्तीसगढ़ हॉकी लीग आयोजित की जाएगी। यह लीग सितंबर के दूसरे सप्ताह में शुरू हो सकती है। प्रदेशभर से उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन कर छह टीमें बनाई जाएंगी। खेल विभाग जल्द ही आयोजन की तारीख और टीमों के नाम घोषित करेगा।

लीग के सभी मुकाबले रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में फ्लड लाइट में खेले जाएंगे। संभावित तारीख 10 से 12 सितंबर के बीच है। लीग में रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, सरगुजा, बस्तर और रायगढ़-जशपुर का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें होंगी।

खिलाड़ियों का चयन आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन के माध्यम से किया जाएगा। डिप्टी सीएम एवं खेल और युवा कल्याण मंत्री अरुण साव के निर्देश पर खेल विभाग के अधिकारी और छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के पदाधिकारी आयोजन का खाका तैयार कर रहे हैं। खिलाड़ियों के चयन के लिए सभी जिलों से प्रतिभावान खिलाड़ियों की जानकारी मंगाई जा रही है।

प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी होंगे, जिनमें 14 से 15 खिलाड़ी छत्तीसगढ़ के होंगे। जूनियर वर्ग में खेल रहे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी लीग में अवसर दिया जाएगा। टूर्नामेंट में खेलने वाले खिलाड़ियों को उनकी योग्यता के आधार पर निश्चित मैच फीस दी जाएगी।

इससे आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट जैसा अनुभव देने के लिए अभ्यास और मैच की अलग-अलग जर्सी के साथ दो बेहतर किट भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल:चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे

बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। **BCCI** ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी।

भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया

BCCI ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित **BCCI** सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है।

साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।

श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स जीता: बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया

26 साल की अश्मिता ने 53 मिनट चले फाइनल में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला **BWF** वर्ल्ड टूर खिताब जीता।

भारत ने लगातार दूसरा **BWF** वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

पहले गेम में हान ने बनाई बढ़त

अश्मिता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वे शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

अश्मिता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अश्मिता 11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा।

हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अश्मिता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

अंतिम गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अश्मिता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे निकल गईं।

अश्मिता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12-11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अश्मिता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19-14 कर दिया।

सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया: वॉर्मअप में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया; चोट से रिकवर हुए गिल के 44 रन

भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

रविवार को मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए।

उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की।

कोलंबो में भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरू होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की।

श्रीलंका **XI** ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-**XI** ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं।

प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है।

इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी

वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में चरुराहुल ने कप्तानी की।

जडेजा और बरार ने 2-2 विकेट लिए

श्रीलंका-**XI** की दूसरी पारी में निशान फर्नांडो ने 63 रन बनाए, जबकि निपुन धनंजया ने 46 और अंजला बंडारा ने 35 रन का योगदान दिया। रमेश मेंडिस 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की ओर से रवींद्र जडेजा और गुरनूर बरार ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला। भारत ने पहली पारी में 90 ओवर में 6 विकेट पर 357 रन बनाकर पारी घोषित की। देवदत्त पडिक्कल ने 142 रन की नाबाद पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने 63, केएल राहुल ने 40, मानव सुथार ने 41 और गुरनूर बरार ने नाबाद 36 रन बनाए।

विश्व स्तनपान सप्ताह : सुकमा में मातृ-शिशु स्वास्थ्य के लिए विशेष जागरूकता अभियान

रायपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए सुकमा जिले में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास के मार्गदर्शन में 1 से 7 अगस्त 2026 तक जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और सेक्टरों में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

अभियान के दौरान सेक्टर पर्यवेक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने माताओं, गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और परिवारों को स्तनपान के महत्व की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि मां का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण आहार है।

प्रशासन द्वारा माताओं को शिशु के जन्म के पहले एक घंटे के भीतर मां का पहला गाढ़ा दूध (कोलोस्ट्रम) पिलाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही छह माह तक केवल स्तनपान कराने और उसके बाद उचित ऊपरी आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की सलाह दी गई।

इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम 'स्तनपान से सतत जीवन की श्रेष्ठ शुरुआतकृजो कारगर है, उसे और मजबूत करें' रखी गई है। इसी के अनुरूप प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं, आंगनबाड़ी केंद्रों, परिवारों और समुदाय के बीच बेहतर सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि माताओं को स्तनपान के लिए आवश्यक सहयोग और अनुकूल वातावरण मिल सके।

कुपोषण रोकने और स्वस्थ बचपन की दिशा में प्रयास

अभियान के तहत माताओं को बीमारी के दौरान भी स्तनपान जारी रखने, बीमारी के बाद अतिरिक्त पोषण देने, छह माह के बाद पौष्टिक और सुपाच्य आहार शुरू करने तथा स्वच्छता बनाए रखने की जानकारी दी गई। गांवों में सामुदायिक बैठकें, जनसंवाद और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को सही स्तनपान व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला प्रशासन ने कहा कि यह अभियान कुपोषण की रोकथाम, शिशु मृत्यु दर में कमी और स्वस्थ एवं सुपोषित बचपन की मजबूत नींव तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और स्तनपान को बढ़ावा देने में अपना सहयोग दें।

नारायणपुर में आत्मसमर्पित 50 युवाओं के लिए 70.68 लाख की प्रोत्साहन राशि मंजूर

रायपुर। हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौटने वाले युवाओं के जीवन में नया उजियारा लाने की दिशा में नारायणपुर जिले ने एक और मील का पत्थर हासिल किया है। शासन की पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर शस्त्रों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले 50 पूर्व कैडर के लिए कुल 70 लाख 68 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। इसी पहल के तहत 07 अगस्त को नगर पालिका अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने 13 आत्मसमर्पित युवाओं को उनके द्वारा समर्पित हथियारों के एवज में 24 लाख 30 हजार 600 रुपए की प्रोत्साहन राशि ससम्मान वितरित की।

छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति भटक चुके युवाओं को भयमुक्त और स्वावलंबी जीवन जीने का सुअवसर प्रदान कर रही है। आत्मसमर्पण करने वाले नागरिकों को रोजगार, स्वरोजगार तथा वित्तीय सहायता के माध्यम से स्थायी रूप से समाज की प्रगति से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे अपने और अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित भविष्य गढ़ सकें।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर नारायणपुर ने आत्मसमर्पितों का सहर्ष स्वागत करते हुए उन्हें शासकीय योजनाओं का पूर्ण लाभ उठाकर गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हिंसा छोड़ विकास का मार्ग अपनाना क्षेत्र में शांति, खुशहाली और प्रगति का नया अध्याय लिख रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि शेष पात्र हितग्राहियों को भी जल्द ही नियमानुसार स्वीकृत राशि प्रदान की जाएगी। जिले में शांति, विश्वास और पुनर्वास के इस दौर से क्षेत्र में खुशहाली का नया माहौल बन रहा है।

निर्धारित दर से अधिक कीमत पर यूरिया बेचने पर

रायपुर। किसानों को रासायनिक उर्वरक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए जशपुर जिले में कृषि विभाग द्वारा लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। इसी क्रम में निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर यूरिया बेचे जाने की शिकायत पर कृषि विभाग पत्थलगांव की टीम ने पत्थलगांव विकासखंड स्थित अन्नपूर्णा खाद भंडार का निरीक्षण एवं सत्यापन किया।

जांच के दौरान निर्धारित दर से अधिक कीमत पर यूरिया का विक्रय किए जाने की पुष्टि हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए कृषि विभाग ने उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के प्रावधानों के उल्लंघन पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध कार्रवाई की। अन्नपूर्णा खाद भंडार को 7 दिनों के लिए सील कर दिया गया है। साथ ही संबंधित उर्वरक विक्रेता से मामले में जवाब भी मांगा गया है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण और निर्धारित दर पर बिक्री की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है। किसानों को निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर उर्वरक बेचना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश एवं प्रचलित नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किसानों से अपील की है कि उर्वरक खरीदते समय निर्धारित दर पर ही यूरिया एवं अन्य रासायनिक उर्वरक प्राप्त करें तथा खरीद की पक्की रसीद अवश्य लें। निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने अथवा उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिलने पर तत्काल कृषि विभाग को सूचित करें।

कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी पत्थलगांव आर.के. पैंकरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री जीवन एक्का, कृषि विकास अधिकारी श्री मंत्री राम राठिया एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कृष्ण कुमार चौधरी उपस्थित रहे।

शिक्षा की राह में छोटा-सा योगदान, बच्चों के सपनों को नई उड़ान : मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। आज लखनपुर में जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने तथा उनकी पढ़ाई में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मिशन एजुकेशन द्वारा संचालित स्टेशनरी दान अभियान में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता की। उन्होंने जरूरतमंद बच्चों के लिए आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का दान कर इस सराहनीय पहल को अपना समर्थन दिया। मिशन एजुकेशन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों तक पढ़ाई में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही है। अभियान के तहत कॉपियां, पेन, पेंसिल, रबर, ज्यामिति बॉक्स सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि संसाधनों के अभाव में उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। किसी बच्चे की पढ़ाई में किया गया सहयोग केवल एक वस्तु का दान नहीं, बल्कि उसके बेहतर भविष्य की दिशा में बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर किसी बच्चे के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियां किसी बच्चे के सपनों के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए। बच्चों को बेहतर शिक्षा और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। अग्रवाल ने मिशन एजुकेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद बच्चों तक शैक्षणिक सामग्री पहुंचाने का यह प्रयास समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने आम नागरिकों से भी ऐसे सामाजिक सरोकारों से जुड़कर जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को पढ़ने, बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का अधिकार है। किसी बच्चे की शिक्षा में हमारा छोटा-सा योगदान उसके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बन सकता है।

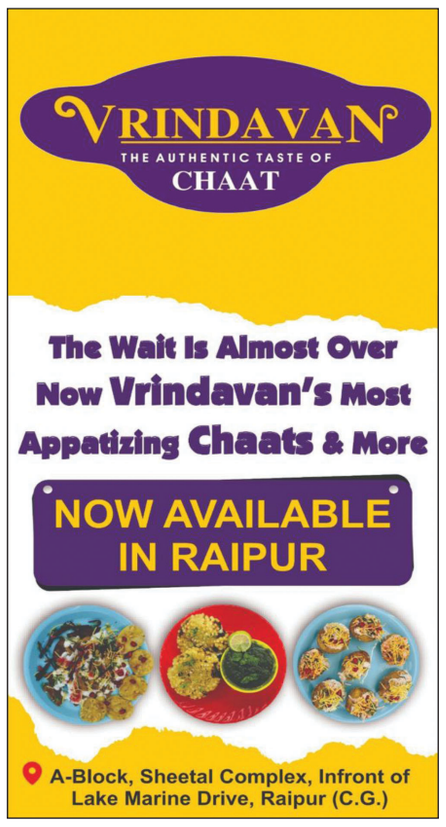

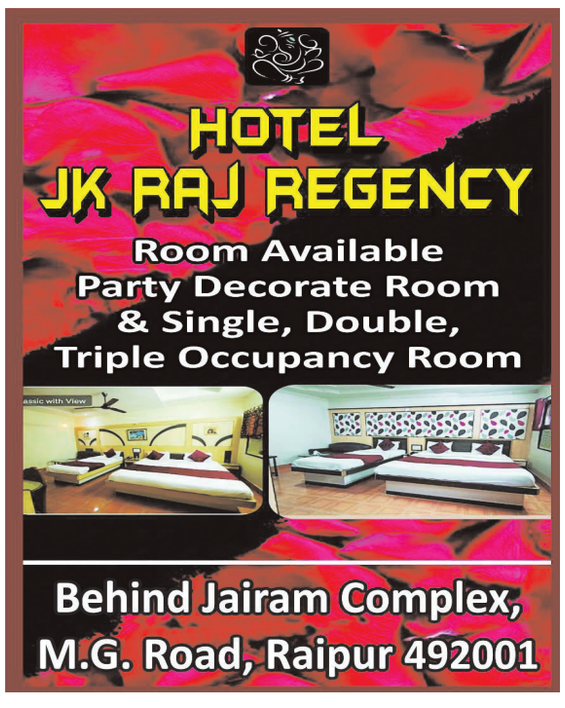

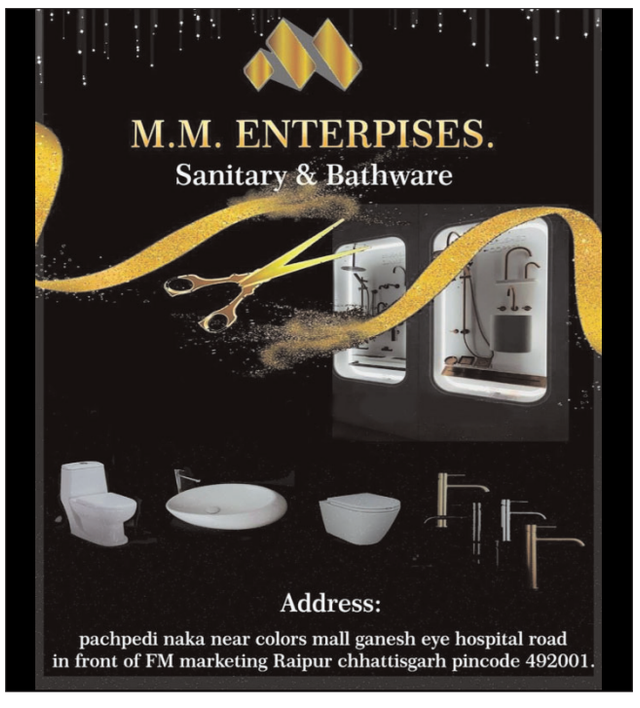

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684